

॥ श्रीगुरु दत्त प्रसन्न ॥

संगीत बालवाच्य

(प्रथम भाग.)

संपादक, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पल्लुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इण्डियन म्युजिक, प्रिन्सिपाल,

गाथर्व महा विद्यालय—बम्बई द्वारा रचित

सन १९२१.

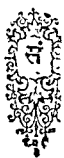
इस पुस्तक का छापनका सब अधिकार पुस्तक कार्याग
आपने स्वयं रखा है

पंचमावृत्ति प्रती १००० मुद्रय १॥ रचना

“गाथर्व महा विद्यालय” प्रेम, सैद्धहस्त रोड—बम्बई

॥ श्रीगुरुप्रसन्न ॥

प्रस्तावना.



गीत प्रेमी महाभयगण आरबो सिद्धे हं कि हमारे वहाँगे पहिलेमे भी गायन और वादन लिखनेके रीति नो पुस्तक बनाई थी कि जिमका नाम संगीत शालयोध था उमरा पंचम आयुति आर गजनोंके गेरा में प्रकृति करने हं कि इन पुस्तकको समग्र पढ़के गायन विद्यामा गहनहीमें गनद पर बैठे उठा सकें

इसमें शामसे प्रात काल तक गानेके प्रचारित राग आदि हं इस पुस्तक की प्रथमावृत्तिमें अरुन रीतिके नो नियम थे वद सब संगीत तत्त्वदर्शकमें दिये हं और जो गायन चाने थी उनको भी रम करके अच्छी २ गानेकी चाने लिखा गई हं और उनको द्विगुण और तिस्र जाति लयकारी (निरुको अम लाग आदि कहते हं) मेंना रम दिया हं

ये किताब हमारे गौरव महा विद्यालय गमान प्रेसिका प्रागकी प्रथम पुस्तक हं

अब मैं अपने तापंजन गुरुवर्य गायनाचार्य धर्मा गान्धर्वजी घोषाका छोटि केरि भव्यवाद करता हं कि उनके द्वारामे मुने इन किताबका ज्ञान हुक

॥ शुभम् ॥

ला १ मंत्रि
सं १०२१



१०२१

विष्णु दिगंबर पण्डितार.

अनुक्रमनिका.



नं.	राग	पद	ताल	पृष्ठ
१	कल्याण	तेरोहि	चारताल	१-१४
२	जेमिनोरुल्याण	अव गुनन	तीनताल	१४-१८
३	भूपाली ओडव	आपनो नीजपद	तेवरा	१८-२२
४	"	स रि ग म	तीनताल	२२-२८
५	"	सेसाचल	सुरफाकाताल	२९-३२
६	हमीर	चौंचल	चारताल	३२-३६
७	"	श्रीराम	तेवरा	३७-४१
८	विहाग	देसोसयी	तीनताल	४२-४४
९	"	सयी आज	झपताल	४४-४७
१०	"	जयरामरूप	धमार	४८-५१
११	रमाज संकीर्ण	प्रीतरीत	तीनताल	५२-५७
१२	छाया. खमाज	राजत रघुवीर	चारताल	५७-६१
१३	खमाज	अरुनदल	झपताल	६१-६३
१४	देस	कुचजाही	तीनताल	६४-६६
१५	जयजय. संपूर्ण	तेरोरुलूनही	झपताल	६७-६९
१६	" "	मधेरात आई	चारताल	७०-७३
१७	जयजयवंती	शामशामसो	धमार	७४-७८
१८	केदार	सरससीस मॉर	चारताल	७८-८२
१९	"	होरीरे मोहन	धमार	८२-८४
२०	पूरिया	चली नार	"	८४-७
२१	पूरिया	रामवदन मती	तीनताल	८८-२१
२२	"	तराणा		

हमारे यहां के लेखनपद्धति (नोटेशन सिस्टम) को समझने के
लिये संगीत तत्वदर्शकको पढ़ना चाहिये

तार		
मध्य	रि स रि स	स रि रि . ५ ग रि
मन्द्र		ध नि नि नि
	स धा ल मी	क ना र द सु नि स न का
	२ २	१ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	रि स सु . ५	स
मन्द्र		नि धु . ५ धु पु . ५ नि धु . ५
	. दि क	से .
	२	१ ३ . स .

तार		
मध्य	स सु . ५ रि ग रि रि सु . ५	रि ग प
मन्द्र	नि	नि
	. सु	रे . स स न त
	२	३ २ २ २ १ ३

तार	स रि रि गु . ५ ग रि सु .
मध्य	नि नि ध्र पु . ५
मन्द्र	।

ध रा मे . र प ध न . आ झ
 १ ३ २ ३ २ ७

तार	स सु .
मध्य	प ध नि ध्र पु . ५ ध प म ग ग रि
मन्द्र	

प श् . पां . . ली ज ल थ ल स व
 १ ३ २ ३ २ २

तार	रि सु
मध्य	म ध्र मु ध्र नि ध्र पु . ५ ध नि ध्र पु . ५
मन्द्र	

घ न . दा . मि नी आ
 १ ३ २ ३ २ ३

तार	रि
मध्य	प ध ध नि णि . ५ म धु मु म्गु ग रि
मन्द्र	

आ . . जो र ना . . . ती
१ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	रि ५	ग प प्प पु . ५ प् ध प्पु . ५
मन्द्र	णि	

न र दी न र धु दी न ना . थ
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	म ध नि ध्रु पु . ५ प प धु म्प म्गु . ५
मन्द्र	

दी न द या . ल ज ग जी . . व न
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	रि ग प ग रि सु . ५ रि ग रि
मन्द्र	नि नि
	ज ग . घ्रा . थ कर . ता . १ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	सु . ५ सु . ग प गु . ५ पु . धु मु . १
मन्द्र	
	र भ . र . न भू . य . १ ३ २ ३ २ २

तार	सु सु . ५ सु . रि सु . १
मध्य	गु . ५ ग म ध
मन्द्र	
	न वी सा . भ र सा . चि त १ ३ २ ३ २ ०

तार	स स स स रि . ५ स	
मध्य	ध	नि ध प ध पु . ५
मन्द्र		

सौ . प त प्र न ते . . रो . हि
१ ३ २ ३ २ २

तार	रि सु स . १	रि
मध्य	ग ग म ध ध प . १	नि
मन्द्र		

स व सू य स मू . द्र दी जे गू ला
१ ३ २ ३ २ २ १

तार	ग रि नि सु .
मध्य	नि ध नि . ५ म धु पु .
मन्द्र	

. ध को . . ध न ये . .
३ २ ३ २

तार		रि
मध्य	स गु . ५	स ध नि नि . १ स धु
मन्द्र		

रा म क .
२ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	सु . I गु रि रि . ५	
मन्द्र		नि

र . . ता र इ
२ २



द्विगुण करने की रीति.



तार	
मध्य	पु सु गु . रि पु गु . ५ पु पु पु पु गु .
मन्द्र	

ते . . रो . हि ध्या न ध र .
 १ ३ ६

तार	
मध्य	पु . ५ सु धु सु गु रि रि . ५ गु
मन्द्र	नि

त ग्रं . . ह्या . शि च व्या
 ३ २

तार		
मध्य	रि गु . ॐ रि सु रि सु	सु रि
मन्द्र		धु नि

. . . स वा ल मी क ना र द
२ २

तार		
मध्य	रि . ॐ गु रि रि सु सु . ॐ सु	
मन्द्र	नि नि	

मु नि स न का . दी क से
३ २ ३

तार		
मध्य		सु सु . ॐ रि
मन्द्र	नि धु . ॐ धु पु . ॐ नि धु . ॐ	

. स . सु रे
२

तार		यहासे यहातक विलंबित फिर
मध्य	गु रि रि सु .५	<u>रिगपगपु</u> .५ रि
मन्द्र	नि	नि नि
	स सु नो त २	र ट त ग ह त १ ३ २ ३

तार	द्विगुण	चारगुण
मध्य	गु पु गु पु .५	रि गु पु गु पु नि धु सु पु .
मन्द्र	नि	
	त र ह त २	र ट त र ह न नि स . . २

तार		
मध्य	गु रि रि	प सु ग . रि प गु . ५
मन्द्र	नि	
	वा . स र	ते . . . रो . हि १ ३ २

तार		
मध्य	रि गु . ५ रि सु रि सु	सु रि
मन्द्र		धु नि

स घा ल मी क ना र द
१ १

तार		
मध्य	रि . ५ गु रि रि सु सु . ५ सु	
मन्द्र	नि नि	

मु नि स न का दी क खे
३ २ ३

तार		
मध्य		सु सु . ५ रि
मन्द्र	नि धु . ५ धु पु . ५ नि धु . ५	

. . . . स २ . सु ३

तार	.	यहामे यहानक विलखित फिर
मध्य	गु रि रि सु .५	रिगपगपु .५ रि
मन्द्र	नि	नि नि
	स सु नी त २	र ट त ग ह त र ट १ ३ २ ३

तार	द्विगुण	चारगुण
मध्य	गु पु गु पु .५	रि गु पु गु पु नि धु म पु .
मन्द्र	नि	
	त र ह त २	र ट त र ह त नि स . . ३

तार		
मध्य	गु रि रि	प म ग . रि प गु .५
मन्द्र	नि	
	पा . म र	तं . . रो . दि १ ३ २

तार		स स
मध्य	पु प पु पु गु . पु . य	प ध प
मन्द्र		

ध्या न ध र . त चौं . द सू र
३ २ २ १ ३ २

तार	सु . य स स स स रि सु सु . य	
मध्य		पु धु
मन्द्र		

ज ओ र त रा . ग न चौं .
३ २ २ १

तार	सु सु सु . य सु सु सु सु रि सु सु	
मध्य	पु	
मन्द्र		

द सू र ज ओ र त रा . घ न
३ २

तार	सु . ५ . रि	रि गु . ५ गु रि सु .
मध्य		नि
मन्द्र		नि

ध ३ रा मे . रु प व न . २

तार		यहामे सु सु .	चिलंबित
मध्य	ध पु . ५	प ध	नि ध पु . ५
मन्द्र			

व्या श प नू . पां . छा २

तार		फिर द्विगुण
मध्य	ध प म ग ग रि . ५	म धु . मु धु नि
मन्द्र		

ज ल ध ल ल य . ध न . दा . ३ २ २ १

तार	रि सु
मध्य	धु पु . ५ धु नि धु पु . ५ पु धु धु नि
मन्द्र	

मि नी आ *
३ २ ३

तार	रि
मध्य	नि . ५ मु धु मु मु शु ग रि रि ५
मन्द्र	नि

ओ र ना री न र
२ -

नवर २.

राग जैमिनी कल्याण.

इस म क्वल दो मध्यम लगत है एक शुद्ध दुसरा तात्रतर शुद्ध
मध्यम के वास्तु निशाना हागा (तीनताल)

तार	स
मध्य	स रि ग म प धु नि नि धु प म ग
मन्द्र	

तार	
मध्य	ॐ म ग रि स
मन्द्र	

धस्तार—अथ गुनन की जी ये गुनि मन का जाने गुन
की मार भाँग गुनी गुनी जाने गुन की मार ॥

अंतरा—पडी धेर समझे नदि समझत पार धेर फोन फटे
एक धेर फटे दीनी फोन फटे यह पार पार ॥

तार			
मध्य	रिं गुरिं ५	गुमुपु रिं गुरिं	सुं
मन्द्र	निं		निं
	गु न की सा . र	अ य
	३	१	२

तार			सुं
मध्य	रिं गुरिं पुं रिं गुरिं सुं ५	गुं गुं पुं पुं	
मन्द्र			
	गु न न की .	जी ये	ष डी वं र .
	३	२	१ २

तार	सुं सुं सुं सुं रिं सुं सुं	सुं सुं
मध्य	धुं	धुं निं धुं
मन्द्र		
	म शे न हि म य न न	या . र धं र
	३ २	१ २

तार		
मध्य	धु नि धु पु पु . मु ग रि ग	५ रि सु रि
मन्द्र		नि

को . न क हे . ए क धे . र क हे दी
 ३ २ १

तार		
मध्य	स	सु स रि ग ग ग रि
मन्द्र	धु नि धु	नि

नी को . न क हे य ह वा र वा र
 ३ २ १ ३

नंबर ३.

राग भूपाली ओडव.

इस राग में मध्यम और निषाद वर्ज बाकीके सब शुद्ध स्वर
 ताल तेवरा, (मात्रा ७.)

तार	आरोह	<u>स</u>	अवरोह
मध्य	सु रि गु प धु		धु पु गु रि सु १
मन्द्र			

तार	<u>स</u>	
मध्य	धु धु प ग ग पु . ५	स रि ग स रि
मन्द्र		

आ प नो गी ज प द दे त य ली
१ ३ २ १ ३ २

तार			
मध्य	सु . १	ग ग ग पु प पु . ५	धु प रि
मन्द्र			

को . दा . न मा ग त या ल हो
२ १ ३ २ २ १ ३ २

तार		स स स रि . ५	ग
मध्य	स . १	ग प ध	
मन्द्र			

सो व ट्ट क प ट ज व स
२ १ ३ ५ ७ ९ १

तार	ग रि स रि स . १	रि रि रि	स
मध्य		ध	ध
मन्द्र			

म ज क वी को मा रे सो म त रे
३ २ २ १ ३ २ २ २

तार		स	स
मध्य	पु . ५	ध प ग रि स लु . ५	ध
मन्द्र			

तो य ल ही र ख वा को भू व
१ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	<u>ध</u> <u>प</u> <u>ग</u> <u>ग</u> <u>पु</u> . ५	<u>स</u> <u>रि</u> <u>ग</u> <u>स</u> <u>रि</u> <u>स</u> <u>सु</u> . ५
मन्द्र		

ती न प द को
२ ३

मां . ने वा . म न
१ ३ २ २

तार	<u>रि</u> <u>रि</u> <u>रि</u> <u>स</u> <u>सु</u> . ५	<u>स</u>
मध्य	<u>ध</u> <u>ध</u>	<u>प</u> <u>धु</u> <u>पु</u> .
मन्द्र		

ह स के नृ प बो ले
१ ३ २ २

ओं . र .
१ ३

तार	<u>रि</u> <u>स</u> <u>रि</u> <u>स</u> <u>सु</u> . ५	
मध्य	<u>रि</u> <u>स</u> <u>सु</u> . ५	<u>ध</u> <u>प</u>
मन्द्र		

ले ध न
२ २

भ यो धी वी क म
१ ३ २ २

कि
१

नार		स स स
मध्य	प ध ग् प् पु . ५	ग प ध
मन्द्र		

यो प द क्र म
३ २ २

ए क म ही प
१ ३ २ २

तार	रि . ५	ग ग रि स रि स सु . ५
मध्य		ध ध
मन्द्र		

र वी जे को अ ग र
१ ३ २

धे
२ ३

तार	रि स सु . ५	स
मध्य	ध प्र	प ध प ग रि सु . ५
मन्द्र		

जु के प्र म
२ २

ती जे को शि र प र
१ ३ २ २

[२३]

मंजर ४

राग भूपाली ओटव.

ताल तीनताल

तार		
मध्य	गु ५ . ५ प ग रि रि . ९	सु ५ ९ रि
मन्द्र		
	१ - ३ २	१ २

तार		
मध्य	सु	सु ५ ९ स I रि ग
मन्द्र	ध प ध धु . ५	
	३ २	१ २ ३ २

तार												
मध्य	प	ग	५	५	धु	प	गु	पु	ग	रि	ग	रि
मन्द्र												
		१		२		३		०				

तार													
मध्य	सु	रि	पु	५	५	ध	ध	प	ग	रि	गु	५	५
मन्द्र													
			१	२		३		२			१	०	

तार								सु			
मध्य	ग	ध	प	ग	रि	५	ग	गु	धु	प	धु
मन्द्र											
		३		२		१		२			

तार		सु
मध्य	धु प धु प ग रि ५	गु पु धु धु पु
मन्द्र		

३

२

१

२

तार	सु	
मध्य	धु पु गु धु पु गु रि सु रि ५	गु गु
मन्द्र		

३

२

१

तार				
मध्य	पु ग रि रि गु रि सु रि सु	सु		
मन्द्र			धु	

२

३

२

तार	
मध्य	सु रि रि सु रि गु १ रि गु प धु पु गु गु
मन्द्र	

१

२

३

२

तार	सु सु रि रि गु रि रि सु
मध्य	पु पु धु धु धु
मन्द्र	

१

२

३

२

तार	रि रि सु	सु सु
मध्य		धु पु धु धु पु गु
मन्द्र		

१

२

तार		
मध्य	धृ षु गृ रि गृ रि सु रि . ५	पृ पृ धृ
मन्द्र		

३

२

१

२

तार		
मध्य	पृ गृ गृ ० पृ गृ रि रि ०	गृ रि सु सु ०
मन्द्र		

३

२

१

२

तार			सु
मध्य	रि सु रि गृ रि गृ पृ गृ	पृ धृ पृ धृ	धृ
मन्द्र			

३

२

१

२

तार	स० रि० स० रि० ग० रि० स०	रि० स०	स०
मध्य			ध० ध०
मन्द्र			
	३	२	१ २

तार	
मध्य	प० ध० प० ग० प० ग० रि० ग० रि० स० रि० ५
मन्द्र	
	३ २

नंबर ५.

राग भूपाली.

ताल अभिनदन (सुरपाक्ता)

अथवा मिश्र जाति तनिताल मात्रा १०

तार		
मध्य	रि रि स स	स . १
मन्द्र		धु

से सा च ल वा सा
१ ३ २ २ ३

तो हे द र स
१ ३ २

तार		सु १.५
मध्य	रि स रि ग . १	प प ग रि ग प ध
मन्द्र		

सी आ . मा
२ ३

दि न दि न क र त हे .
१ ३ २ २ ३

तार		
मध्य	ध प ध प ग रि ग . प रि सु . ५	
मन्द्र		

वि ध ह र प . . अ ना भ
१ ३ २ २ ३

तार	स	स	स	स	स	रि
मध्य	प	प	ध	धृ	प	पु . ५
मन्द्र						

न ध दि न न ध रा त म न व वा
१ ३ २ २ ३ १ ३

तार	ग	रि	स	रि	स	सु . ५
मध्य						ध प ध प रि ग
मन्द्र						

ह न नि क स त र थ प र द स
२ २ ३ १ ३ २

तार						स	स
मध्य	प	रि	सु . ५	ग	ग	रि	ग प ध
मन्द्र							

रे दी न जो थ ही व्य क ट जी
२ ३ १ ३ २ २ ३

तार	स . १ स रि ग रि स रि स सु . ५
मध्य	
मन्द्र	

को . गा . घ त गा . व त
१ ३ २ ५ ३

तार	स सु . ५
मध्य	ग ग रि ग प ध ध ध
मन्द्र	

सो न हि वा . र वा . र ज
१ ३ ७ २ ३ १

तार	सु
मध्य	प ग रि ग प रि स सु . ५ प ध
मन्द्र	

न न म र न पा घ त य लु को
३ २ २ ३ १ ३ २

तार	स रिस .१
मध्य	गृ गृ गृ रि गृ प रि सु .५
मन्द्र	

अ प नो अं त को च र न दे त
 ३ ३ १ ३ २ २ ३

नंबर ६.

राग हमीर.

ताल चारताल.

इस राग में दो मध्यम लगते हैं एक शुद्ध और दूसरा तीव्रतर, जब तीव्रतर म, लगाया जावेगा उस समय इसतरह आरोह होगा म, प, ध, जब शुद्ध म का उपयोग किया जावेगा उस वक्त आरोहमें प, वर्ज होगा मध्यम तीव्रतरके लिये निशाना होगी

तार	सु
मध्य	सु रि गृ मृ ध नि निधु सु पृ गृ मृ रि सु ५
मन्द्र	

तार	सु . सु	
मध्य	धुँ . ५५	नि नि . ५ धु
मन्द्र		
	चो . च ल . ३ २ २	च . . प १ ३

तार	
मध्य	△ सु म् . ५ प पु . ५ ध पु △ म प
मन्द्र	
	ला . . . की ग त . तै . २ ३ ३ ३

तार	
मध्य	पु . ५ ग म रि ग म धु . ५ △ म प
मन्द्र	
	सो फ म ल य द नी १ ३ २
	ध तु ३

तार		
मध्य	गु म् . ५ रि स . १	रि सु रि . ५ स
मन्द्र		

२ . . . प म का . . . मि
२ २ १ ३

तार		
मध्य	स रि सु रि . ५ स सु . ५ स रि	
मन्द्र		नि

नी सुं . . . द र फ र न
२ ३ २ २

तार		
मध्य	स	I रि स . १ स ध पु . ग . १
मन्द्र	ध . ५	

. . फ . ल रा . ज त मा . ने .
१ ३ २ ३ २ २

तार		रि स सु	
मध्य	म	ध नि	नि ध नि . ५
मन्द्र			

मं . ग ल गा . . . वो
१ ३ २

तार	सु . सु		सु सु . ५
मध्य	ध ^० . ५	ग म ध नि	
मन्द्र			

चो . च ल सु ग मू र त
३ २ २ १ ३ ०

तार	स स स स सु . ५		स सु . ५
मध्य		ध ^० ध ^० ध ^०	
मन्द्र			

छ यी सुं द र प र म का म
३ १ २ १ ३ -

तार	स रिसुस	
मध्य	नि	धधपु. ५ Δ मपप
मन्द्र		
	निसरा . म ३ २ २	धा . म १ ३
		दगवि २ ३

तार		
मध्य	धधुपु. ५ Δ मपपु. ५	सससध
मन्द्र		
	सा ल २ २	धधरप १ ३

तार	सु	रि. ५
मध्य	धप. १ धनि नि. ५	धुँपधनि
मन्द्र		
	रधी . दु म धा र २ ३ २ २	वारडा . र १ ३ २

[३७]

नं० ७

राग हमीर.

ताल तेवरा (खडजाति तान ता ४)

तार					
मध्य	स . १	पु पु . ५	गु गु सु . ५	धं	
मन्द्र					

श्री . रा म चंद्र कू पा
२ १ ३ २ २ १

तार	रि स		
मध्य	धं	नि ध पु . ५	म प ध
मन्द्र			

कु भ ज म न ह र न
३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	△ स प प पु . ५	ग स स ध्रु △ स
मन्द्र		

भ व म य दा . र णो न
 २ २ १ ३ २ २

तार			
मध्य	पु . ५	ध्रु प △ स प प पु . ५	ध्रु प
मन्द्र			

व कं ज लो . च न क ज
 १ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	△ स △ स प पु . ५	ग स रि ग स ध्रु
मन्द्र		

सु स क र कं . ज प द कं
 २ २ १ ३ २ २

तार			
मध्य	△ मु पु . ११	ग म रि	स स . १
मन्द्र		नि	

जा र णो . श्री
१ ३ ० ०

तार		
मध्य	पु पु . ५ ग ग मु . ५	धं ^० धं ^० ७ . पु
मन्द्र		

रा म च द्र क पा क
१ ३ २ २ ६ ३ २ २

तार	स स	स स सु . ५	स स
मध्य	नि		नि
मन्द्र			

दर प अ ग णि त अ मि त
१ ३ २ २ १ ३

तार	स स स सु . ५	सु स सु . ५
मध्य		ध ^० ध
मन्द्र		

छ यी न व
२ २

नी ल नी र ज
१ ३ ० २

तार	स स	ग म रि
मध्य	धृ प पु . ५	नि
मन्द्र		

खुं द रं प ड
१ ३ २ २

पी . न मा
१ ३ २

तार	स स . १	
मध्य		ध ^० ध ^० प ढ म प प पु . ५
मन्द्र		

. नौ
२

त डी त
१ ३

रु ची रु ची
२ ६

तार	.	.
मध्य	ग म रि ग म ध पृ . ५	ग म रि सृ . ९
मन्द्र		

नौ . मि ज न क सू ता . व रौ
 १ ३ २ २ १ ३ ०

यह अतरे उपरके भजनके अतरेके माफक गाना

शिर मुकुट कुंडल तिलक चारु उदार अंग विभूषणं
 आजानुभुज शर चापधर संग्राम जित सर दृषणं ॥ १ ॥

भजो दीनबंधु दिनेश दानव दैत्य वंश निकंदनं
 रघुनंद आनंदकंद कोशल चंद्र दशरथ नंदनं ॥ २ ॥

इति वदत तुलसीदास शंकर सेस मुनीमन रंजनं
 मम हृदय कंज नियास कुरु कामादि खल दल गंजनं ॥ ३ ॥



तार	सुससुसु . ५	सुससु . ५
मध्य		धुँ धुँ
मन्द्र		

छ वी न व
२ २

नी ल नी र ज
१ ३ २ २

तार	सुसु	ग म रि
मध्य	धुँ प पु . ५	नि
मन्द्र		

सुं द रं प ड
१ ३ २ २

पी त मा
१ ३ २

तार	ससु . ९	
मध्य		धुँ धुँ प ढ म प प पु . ५
मन्द्र		

नौ
२

त टी त
१ ३

रु ची सु धी
२ २

तार		
मध्य	रि सु सु . ५	सु सु गु सु पु पु
मन्द्र	नि	
	. मे . लि	पा नि या भ र न १ २

तार	सु	
मध्य	नि	सु धु सु पु गु सु गु रि
मन्द्र		नि
	के से जा . ३	उ . मो रि . . था ५

तार		सु सु सु
मध्य	सु सु . ५	प नि नि पु
मन्द्र		
	. लि	हं ज ल ज सु ना भ १ २ ३

[४२]

नमर ८

राग विहाग.

इस रागमें मध्यम दो शुद्ध और तीव्रतर, तीव्रतर मध्यम के वास्ते निशानी होगी आरौंहम रिपम और धैवत वनं बासीके सब शुद्ध स्वर

ताल तीन ताल.

तार	स.
मध्य	ग म पु नि नि ध प Δ म ग म ग रि सु ११
मन्द्र	नि

तार	
मध्य	सु ग सु ग म धु Δ सु पु ग म ग
मन्द्र	पु नि

दे खो स यी क न्द्वै या रो , के ठ डो हे
१ २ ३ २

[४२]

नंय ८.

राग विहाग.



इस रागमें मध्यम दो शुद्ध और तीत्रतर, तीत्रतर मध्यम के वास्ते निशानी
होगी आरोहमें रिषम और धैवत वर्न बाकाके मय शुद्ध स्वर

ताल तीन ताल.

तार	सु.
मध्य	गु म् पुनि नि धप Δ म् गु म् गुरि सु ११
मन्द्र	नि

तार	
मध्य	सु ग् सु ग् म् धु Δ मु पु ग् म् गु
मन्द्र	पु नि

दे खो स खी क न्है या रो . . के टा डो हे
१ २ ३ २

तार		
मध्य	रि सु सु . ५	सु सु गु सु पु पु
मन्द्र	नि	
. गे . लि		पा नि या भ र न १ २

तार	सु	
मध्य	नि	मधु म पु गु सु गु रि
मन्द्र		नि
के से जा . ३		उ . मो रि . . आ ५

तार		सु सु सु
मध्य	सु सु . ५	प नि नि पु
मन्द्र		
. लि		हं ज ल ल सु ना भ १ २

तार		
मध्य	सु ग . १	ग गु म पु धु गु म्ग रि
मन्द्र		नि

द सो म ची हो .
२ १ २ ३

तार			सु
मध्य	सु ग म प नि . ५		पु प नि नि
मन्द्र			

. री . स खी ए क स ग ग्या
२ १ २ ३

तार	सु सु . १	सु सु रि	सु I
मध्य		नि	नि धु
मन्द्र			

ल ने शा म सो मा .
२ १ २ ३

तार	स	स ग म प म
मध्य	△ सु षु षु नि . ५	
मन्द्र		

त क र रु त . त्रि ज
२ १ २

तार	ग रि सु स रि सु . ५	
मध्य	नि	नि धु
मन्द्र		

ना . . . र मि ल रा धा
३ २ १ २

तार		
मध्य	△ सु षु ऽ म ग सु . ५	
मन्द्र		

गो री .
३ २

तार		
मध्य	मृ ग . १	ग ग मृ पृ धृ गृ मृ गृ रि
मन्द्र		नि

द्व सो म ची हो .
 २ १ २ ३

तार			सु
मध्य	सृ ग म प नि . ५		पु प नि नि
मन्द्र			

. री . स खी ए क सं ग ग्या
 २ १ २ ३

तार	सृ सृ . १	सृ सृ रि	सृ I
मध्य		नि	नि धु
मन्द्र			

ल ने शा म सो या .
 २ १ २ ३

तार	स	स ग म प म
मध्य	△ सु षु प	नि . ५
मन्द्र		

त फ र
१ २

र त . त्रि ज
१ २

तार	ग रि	सु सरि सु . ५	
मध्य	नि		नि धु
मन्द्र			

ना . . . र मि ल
३ २

ग धा
१ २

तार		
मध्य	△ सु षु इ म ग म . ५	
मन्द्र		

. . . गो री
३ ३

राग बिहाग.

ताल धमार मात्रा १४.

तार					
मध्य	ग म	ग	स स रि स		स
मन्द्र		नि		नि प	

ज य रा . म रूप अ नू प नि
 १ २ ३ २

तार					
मध्य	स स सु . य		स स ग ग म प प		नि
मन्द्र		नि			

र गू ण स गू ण गू ण प्रे . र क
 १ २ ३

तार	
मध्य	धुं पुं धुं Δ मुं . ११ ग म प नि नि
मन्द्र	

व . हि . द श शी श
२ १

तार	सु सु सु
मध्य	नि प धुं Δ मुं पुं म गुं . ५
मन्द्र	

वा हु प्र च ड म . . ड न
२ ३ ७

तार	
मध्य	गुं ग म नि धुं Δ मुं पुं म गुं रि
मन्द्र	नि

घा प श र मं . . . ड न म ही .
१ २ ३ २

तार				सु सु सु सु
मध्य	सु I	ग म	प नि नि	
मन्द्र				
	.	पा .	यो .	द गा त स रो
			१	२ ३

तार	स रि सु .		सु ग
मध्य		नि ग म	प नि नि
मन्द्र			
	ज मु .	य रा .	जी . व आ य
	२		१ २

तार	म ग	स	स पु म	ग
मध्य		नि	नि . १	
मन्द्र				
	त लो .	च . नं	नित .	नी
	३	२		१

तार	स स रिस
मध्य	नि नि Δ म प धु Δ मु
मन्द्र	

• मि रा व हृ पा • लु या •
 २ ३ २

तार		
मध्य	पु Δ म म	गृ गृ प नि धु Δ मृ . प
मन्द्र		

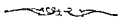
• • हु वि शा ल भ य भ य
 १ २

तार		
मध्य	गृ मृ गृ रि	सृ . ५
मन्द्र	नि नि	

भा • य न • • •
 ३ २

नं० ११.

राग खमाज संकीर्ण.



इसमें गधार वंश शुद्ध और अतिशोमल धैवत दो शुद्ध और अतिकोमल
निषाद अतिशोमल, अतिशोमल धैवत और शुद्ध गधारके वास्ते
निशानि हागी वाकीके मत्र शुद्ध स्वर

तीन ताल.

तार		सु
मध्य	सु रि गु सु ङ ग म पु धु नि	
मन्द्र		

तार		
मध्य	नि धु पु ऋ धु पु गु रि सु . १	
मन्द्र		

तार	
मध्य	पु ङ गु म सु रि पु गु गु गु रि रि गु गु
मन्द्र	
	प्री त री त र धु रा . . ह हो जी १ २ ३ २

तार		सु रि सु
मध्य	रि सु रि	नि धु पु धु धु
मन्द्र		
	. न त हो . ना . ते स व हा १ २	

तार	
मध्य	नि धु पु नि धु म पु मु गु म मु पु गु
मन्द्र	
	ते फ र रा . से रा म स ने ह म गा ३ २

तार	
मध्य	गु रि गु गु रि सु रि षु १ गु गु रि
मन्द्र	

. ई हो जा . न त पी हों जा
१ २

तार	
मध्य	सु रि षु १ गु गु रि सु रि ५ नि धु षु धु
मन्द्र	

न त पी हो जा न त तिय वि र
३ २ १

तार	सु सु सु सु रि
मध्य	नि धु धु नि नि नि धु
मन्द्र	

हो सु श्री व स खा ल सी प्रा न पि या
२ ३

तार		
मध्य	गु रि	गु गु रि सु रि पु १ गु गु रि
मन्द्र		

. ई हो जा . न त पी हो जा .
 १ २

तार		
मध्य	सु रि पु १ गु गु रि सु रि	नि धु पु धु
मन्द्र		

न त पी हो जा . न त ति य वि र
 ३ २ १

तार	सु रा सु सु रि
मध्य	नि धु धु नि नि नि धु
मन्द्र	

ही सु ग्री व स या ल री प्रा न पि या
 २ ३

तार

मध्य नि ऽ धु ऽ धु पु पु पु नि ऽ धु पु मु

मन्द्र

की र चि मा धु री न पा . ई
३

तार

मध्य गु गु रि सु रि ऽ

मन्द्र

हो जा . ग त

२

नंबर १२.

राग छायालगत्व खमाज.

इसमें दो गन्धार और दो निषाद लगते हैं एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल, अतिकोमल गन्धार और अतिकोमल निषादके त्रिये निशानी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर चार ताल.

तार	स स	स रि स	
मध्य	नि	प नि	५ नि ष
मन्द्र			
	रा	ज त र धु	वी . र धी .
	१	३ २	३ २

तार		
मध्य	प ध	मं प प ५ नि ध म प म ग
मन्द्र		
	. र	भं ज न भ व वि . र पी
	२	१ ३ २ ३ २ २

तार		स स
मध्य	गु . ५	स म ग म प ध नि नि
मन्द्र		
	र	हा र न स क ल स र जु ती
	१	३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	५ नि षु धु . ५
मन्द्र	

• • •
२

नंबर १३

राग खमाज.

इसमें दो निपाद उगते हैं एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल अतिकोमल निपाद के वास्ते निशानी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर
ताल झपताल.

तार	स रि
मध्य	स नि ५ नि धु धु म ग स
मन्द्र	

अ रु न द ल म ल न को .
१ २ ३ २

तार	स	स	सरि	स
मध्य	नि	नि	५ नि धृ धु . ५	
मन्द्र				

र न द तु ज व ल भि अं ग
३ २ ३ २ २

तार	स	सु	सु	सु . ५	रि
मध्य	गु	सु	पु	धु	नि
मन्द्र					

अं ग अं ग ल वि अ नं ग अ
१ ३ २ ३ २ २ १

तार	५ ग	रि	स	स	स	स .
मध्य		नि		५ नि ध		
मन्द्र						

ग ङि त म न मो
३ २ ३

तार	स स रि	सु
मध्य	नि	नि ० ५ नि ध्र १ १
मन्द्र		

प . ति मि ल . न को
२ ३ २

तार	स स ग म रि	स
मध्य	ग म प ध नि	नि ०
मन्द्र		

ते . रे . हीं ग ओ . . र स .
१ २ ३ २ १

तार	सु
मध्य	५ नि ध्र म प ध म ग . १
मन्द्र	

वे . . . प्र ह
२ ३ २

तार	स	सरि	सु
मध्य	नि	नि	५नि ध्र ५९
मन्द्र			

प . ति मि ल . न को
२ ३ २

तार	स	सगमरि	स
मध्य	ग	मपधनि	नि
मन्द्र			

ते रे ङीं ग ओ . र स
१ २ ३ २ १

तार	सु
मध्य	५नि ध्र म प ध मग . ९
मन्द्र	

. वे . . प्र ह
२ ३ २

प	गुं रिं गुं रिं सु . ५	मं मं मं पं	
न्द्र	निं		
	रा ३	ज था री २	ज मु ना के १
तार		सुं सुं सुं	सुं रिं रिं
मध्य	निं निं निं निं	निं	
मन्द्र			
	ड र ती २	धे नु च ३	रा ४ व
तार	सुं सुं	सुं रिं	मं रिं सुं सुं .
मध्य	१ निं	निं	
मन्द्र			
	१ व सी में २	क छु ३	थ छ र ज गा २

तार		रि रि रि लु लु लु .
मध्य	नि प १ पु	५ नि
मन्द्र		
. वे मि टी . ता न लु ना वे		
२ २ ३		

तार		
मध्य	५ नि . धु धु पु पु १	प . सु पु धु ५ नि
मन्द्र		
. छ ति यां चो ल नो .		
२ १ २		

तार		
मध्य	धु म गु रि ग १ रि	सु . ५
मन्द्र		नि
. जी रा . . . ज था री		
३ २		

[६७]

नंबर १५.

राग जयजयवंति संपूर्ण.

इसमें दो गंधार एक शुद्ध व दूसरा अतिकोमल, निपाद दो एक शुद्ध दूसरा अतिकोमल अतिकोमल निपाद और गंधार के वास्ते निशानी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर झपताल.

तार	
मध्य	स रि ग म ग रि ऋ ग रि स
मन्द्र	नि नि
	ते . रो . क . झ . . न .
	१ . २ . ३ . . २ .

तार	
मध्य	सु ऽ ऽ ग म सु ध ग म रि १ ५ ५
मन्द्र	
	दी . जा . त ज सो . दा . .
	१ . २ . ३ . २ . .

तार	स
मध्य	स रि म रि म प ध ऽ नि ५५
मन्द्र	नि

उ ५ मे . जो व न जा . त
१ २ ३ २

तार	
मध्य	ध प ध ग म प ध म ग रि ५५ सु प
मन्द्र	

पी या वे . न मे . . रो . . जी न
१ २ ३ २ १

तार	स सु सु सु ५५ स
मध्य	नि नि नि
मन्द्र	

फे . पि या प र शे .
२ ३ २ १

तार	रि ५ ग रि स स रि
मध्य	ध ५ नि ५ ५
मन्द्र	

स . ग व न की . नो
२ ३ २

तार	
मध्य	ध प प रि सु प ५ नि ^७ . ५ ५ ध प
मन्द्र	

सू ध ना र ही क छ त न
१ २ ३ २ १

तार	
मध्य	ध ग स प ध स ग रि . ५
मन्द्र	

ना . ही जो . लो .
३ २

[७०]

नं० ६६.

राग जयजयवंति संपूर्ण.

चार ताल.

तार	
मध्य	रि रि गृ रि रि ग प म ग रि . ५ रि ५ गृ
मन्द्र	

म धे . . रा . त आ . . इ
 १ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	सु. ५	ल रि ५ ग रि
मन्द्र	नि	नि नि

. . म य . मृ . ग
 १ ३ २

तार		स	स
मध्य	सु . ५	स पु नि	नि नि
मन्द्र			

द प्र फू ली . त कं ज
१ ३ २ ३ २

तार	स स . १	सरि ५ ग रि रि सु .
मध्य		नि
मन्द्र		

घ न पा . ल व न घ .
२ १ ३ ०

तार	स
मध्य	५ नि धु धु . पु धु सु . गु रि १
मन्द्र	

ल . . स . घ न . .
३ २ ३

तार		स
मध्य	म स रि रि प प प प . १	५नि

मन्द्र	त सो . ही . र सी क . रा .	१ ३ २ ३ २ २
--------	---------------------------	-------------

तार		
मध्य	धु . ५नि	ध प म ग म ध ग म गु

मन्द्र	ज रा . ज त जा नं .	१ ३ २ ३ ३ ३
--------	--------------------	-------------

तार		
मध्य	रि . रि ५गु	सु . ५

मन्द्र	नि .	
--------	------	--

[७४]

नंबर १७

राग जयजयवंति.

ताल धमार

तार	
मध्य	रि रि . ५ रि प म गुरि रि ५गुरि सु .
मन्द्र	

शा म शा म सो हो री
 १ २ ३

तार			
मध्य	रि	सु	
मन्द्र	नि नि .	ध ५नि . ५	नि
	मे	ल त	आ
	२		१

तार

मध्य

स रि ष ग रि रि सु० ५ स

मन्द्र

नि

५नि

. . . ज न इ नं . इ
२ ३

तार

मध्य

मन्द्र

ध ५नि ध ष० ५ ग म ध नि

नं . इ न को . . रा
२ १

तार

मध्य

सु० १ रि सु I स

रि रि० ५

मन्द्र

नि

ध ५नि

धे की . . . नो मा . ध व
२ ३ २

तार	
मध्य	रि स प ध स ग रि रि रि षग रि
मन्द्र	नि

वा प भ इ .
१ २ ३ २

तार		स स स
मध्य	स	म प नि
मन्द्र	ध ष नि . ष	

. . . . स खा स खि भ
१ २ २

तार	सु . ष	स रि रि षग रि सु . ष
मध्य	नि	
मन्द्र		

ये स खि स खा . भ ई
३ २

तार | स

मध्य | ५नि ध व ५नि ध प स ५ग रि

मन्द्र

य शु म ती भ व न ग ङ
१ २ ३

तार

मध्य | ५ग रि सु . ५

स रि स

मन्द्र

नि

नि

ग ज त
१

२

तार

मध्य | स

रि ग रि ५गु रि

मन्द्र

ध धु ५नि

नि

ता ल सृ ङ ग झा ज
२ ३

तार		रि स .
मध्य	सु . ५	नि ५नि ध ५नि
मन्द्र		
	फ	ना . च त धै .
		१ २

तार		
मध्य	धु . ५ ग म ग	सु
मन्द्र	नि	ध ५नि . ५
	धै	
	३	२

नंबर १८.

राग केदार.

इसमें गधार वर्ज मध्यम दो. निपाद दो अतिबोमल निपाद और
ताम्रतर मध्यमके वास्ते निशानी होगी बाकी सब शुद्ध स्वर.
ताल चारताल

तार	
मध्य	म रि स म प पु . ५ ध ५ नि ध प ढ म
मन्द्र	
स	मो
र	र
स	मू
सी	गू
३	२
२	१
२	

तार	
मध्य	पु . ५ ढ म पु धु . ध प म . १ प ध प
मन्द्र	
ट	पा . . छ न को . रा . .
३	२ २ १ ३

तार	सु
मध्य	नि धु . ५ ढ म पु धु . प मू १ . ५
मन्द्र	
ज	त .
३	३ ३

तार	
मध्य	<u>म</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>ध</u> <u>प</u> . ५ <u>प</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>रि</u> <u>सु</u> . ५
मन्द्र	

ल ल त कु टी ल अ ल क भा. ल
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	<u>स</u> <u>स</u> <u>रि</u> <u>सु</u> . ५ <u>स</u> <u>स</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>ध</u> <u>प</u> <u>म</u>
मन्द्र	

वि शा ल ति ल क मृ ग म इ
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	<u>प</u> . ५ <u>म</u> <u>रि</u> <u>स</u> <u>रि</u> <u>सु</u> . ५ <u>म</u> <u>रि</u> <u>स</u>
मन्द्र	

पे नी के न ल पे म र स
१ ३ २ ३ २

तार		स स स स स
मध्य	म प पु . ५	प ध प
मन्द्र		

सी स भ व य ध न के ने न
२ १ ३ २ ३ २

तार	स स सु . ५	स म म रि सु . ५
मध्य		नि
मन्द्र		

फ म ल ना स की र आ
२ १ ३ २ ३

तार	स	
मध्य	नि ध्र पु . ५	म प प ध ५ नि
मन्द्र		

ध र वि व इ स न गुं
० ० १ ३ २

तार		रि सु
मध्य	धु० ५ पध पसु० ५	सुपपु० ५ प
मन्द्र		

ज कं . ठकं वू ता म द म न को
 ३ २ २ २ ३ ४ ३

तार		
मध्य	निधपधपु० ५	पसु रि सु रि सु . ५
मन्द्र		

. . स्तु . म शो . भे झ ल के
 २ २ १ ३ २

नंर १९

राग केदार.

ताल धमार.

तार	
मध्य	स रिस म . १ सु प्पु पु ँ सु धु पु
मन्द्र	
	हो . री रे मो ह न हो . . . १ २ ३ २

तार	
मध्य	म . १ प ध ५ नि धु प १ १ प ध सु .
मन्द्र	
	री सं . . ग हो . . १ २ ३

तार		स . १ सु .
मध्य	प स रिसु . ५	सु प्पु पु
मन्द्र		

तार			रि स
मध्य	धु० ५ पध पसुमु० ५	सुपपु० ५ प	
मन्द्र			

ज कं . ठ कं वू
३ २ २

ता म द म न को
१ ३ २ ३

तार		
मध्य	निध पध पु० ५	प म रि स रि सु० ५
मन्द्र		

. . स्तु . म शो . भे झ ल के
२ २ १ ३ २

नं० १९.

राग केदार.

ताल धमार.

तार	
मध्य	स रि स म . १ म् प् प् पु ष् म् ष् ष् पु
मन्द्र	
हो .	री रे . . .
१	२ ३ २

तार	
मध्य	म . १ प् ध् ष् नि ष् ष् पु १ १ प् ध् म् .
मन्द्र	
री	रं . ग हो . .
१	२ ३

तार		स . १ स .		
मध्य	प स रि सु . ५	म् प् प् पु		
मन्द्र				
. .	री	फा ल्द ह म	रे	आ
२	१	२	३	३

र	स रि	स म म		
य	म . १	सु प षु . ५ प		
द्र				
	ग न मे	गा . री	दे आ यो	सो
	२	१	२	३
र		स		
य	ध ५ नि षु प	प म . ५		
द्र				

. . को . . री
२

नवर २०

राग पूरिया.

इसमें पचम वर्ज रिपम, धैवत अतिकोमल, म, तात्रतर
याकाके सब शुद्ध स्वर
ताल धमार

तार		
मध्य	म गृ रि	स सु . ५ रि
मन्द्र	नि	नि म् .
	च ली ना . . र	व न ठ
	३ २	१ २

तार		
मध्य		सु स . ५५ रि गृ
मन्द्र	गु . ५ म ध नि	नि
	न हो . . . री	खे ल न
	३ २	१

तार		
मध्य	म गृ . ५ म गृ . ५५ सु धु म् . गृ . ५	
मन्द्र		
	२ . लि ये	पी च . .
	३	२

तार	<u>स</u> <u>रि</u>	<u>स</u> <u>म</u> <u>म</u>		
मध्य	<u>म</u> . १	<u>सु</u> <u>प</u> <u>पु</u> . ५ <u>प</u>		
मन्द्र				
	ग न मे	गा . री	द्वे आ यो	सो
	०	१	२	३

तार	<u>स</u>
मध्य	<u>ध</u> ५ <u>नि</u> <u>धु</u> <u>प</u> <u>प</u> <u>मु</u> . ५
मन्द्र	
	. . . को . . . री
	२

नवर २०.

राग पूरिया.

इसमें पचम वर्ज रिपम, धैवत अतिकोमल, म, तीव्रतर
बाकीके सब शुद्ध स्वर

नाल धमार

तार		
मध्य	म गृ रि	स सु . ५ रि
मन्द्र	नि	नि सु .
	च ली ना . . र	य न ठ
	३ २	१ २

तार		
मध्य		सु सु . ५५ रि गृ
मन्द्र	गृ . ५ म ध नि	नि
	न हो . . . री	वे ल न
	३ २	१

तार		
मध्य	म गृ . ५ म गृ . ५५ सु धु सु . गृ . ५	
मन्द्र		

[८८]

नंवर २१.

राग पूरिया.

तीन ताल.

तार		
मध्य	म ग रिसु सु सु सु सु	स सु सु रि
मन्द्र		नि
<p>रा म घ द न म ति मौ जु वि लो .</p> <p>३ २ १ २</p>		

तार		
मध्य		स सु सु सु
मन्द्र	नि धु . ५ म धु धु	नि
<p>क य शा र द को टि श शि न</p> <p>३ २ १</p>		

तार	रि
मध्य	नि नि धु . ५ धु मु म् म् ग् म् धु
मन्द्र	

व . ल घ क . . कू म तिल
२ ३ २

तार	रि	
मध्य	नि धु मु म् म् ग् रि म् ग् . ५ रि सु	
मन्द्र		

क ल ला . . . टं . सु ह
१ २ ३

तार		
मध्य	सु सु सु सु सु सु रि रि म् म् .	
मन्द्र		नि नि

द य ह द य वि शो . . प क रं
२ १ २

तार		रि०
मध्य	गु रि सु . ५	रि० गु० गु० सु० धु० नि०
मन्द्र		नि०

. क र णा . म य न य न वि
३ २

तार		
मध्य	धु सु सु गु रि सु गु . ५	
मन्द्र		

पा . . . टं
१ २

नंबर २२

राग पूरिया.

ताल तीनताल
तराना.

तार		
मध्य	रिं गूं गूं रिं रिं सुं सुं सुं .५	रिं सुं
मन्द्र	नि	
	तों त न न त न त त न	३ २ १ २

तार		
मध्य	सुं सुं .१ सुं	सुं
मन्द्र	नि धूं १ धूं धूं नि	नि
	ना . त न दे रे ना . त न ना	२ ३ २ १

तार		
मध्य	रिं रिं रिं रिं सुं सुं सुं	रिं रिं सुं सुं सुं
मन्द्र		नि
	दे रे दे रे त न न नि ता न नि त त	२ ३ २

तार		
मध्य	सु . ५	रि सु
मन्द्र		नि . १ म म ध नि नि
	न	दे रे ना . त न न न दे १ २ ३

तार		
मध्य		स सु सु
मन्द्र	नि धु मु म . ५	म म ध म ध
	रे ना . .	दे रे ना दी त ना . दी २ १ २ ३

तार		
मध्य	स सु सु सु . ५	स १ रि रि
मन्द्र		ध ध नि
	दी त न न	ता दी दी . दी त न १ २ ३

तार		
मध्य	मृ ग . १	रि रि गु गु गृ मृ मृ धृ
मन्द्र		नि

ना . दी त न न न दी त न न
२ १ २ ३

तार		
मध्य	मृ मृ गु गु गु . ५	मृ नि धृ मृ मृ मृ धृ
मन्द्र		

न न न न न दी दी त न न त
२ १ २ ३

तार		
मध्य	नि धृ मृ मृ मृ	गृ . सृ सृ सृ सृ सृ
मन्द्र		

दी दी त न न दी दी त न न न न
२ १ २ ३

तार		
मध्य	सु रि स १	मृ मृ रि गृ मृ धृ मृ . ५
गन्द्र		

३ रे ना
२

३ रे ना दी त ना .
१ २

तार		
मध्य	नि धृ मृ धृ गृ गृ	मु मु मु मु गु गु रि रि
गन्द्र		

३ दी दी त न न दृ र द र द र द र
३ २ १

तार		
मध्य	सु सु	रि गृ गृ रि रि सु सु सु . ५
गन्द्र	नि	

दा नि तौ त न न त न त त न
२ ३ २

तार	सु सु सु सु सु	रि	गु रि सु
मध्य	धु मु मु	नि	
मन्द्र			

र द र तुं द र द र धि त्तां . तुं द
 २ १

तार	सु सु सु	रि
मध्य	नि नि	निधु धु धु मु धु नि धु
मन्द्र		

र द र धित्ता . तुं द र द र धित्तां . तुं
 २ ३ २

तार		
मध्य	मु मु मु मु	मु मु मु गु रि रि सु सु ५
मन्द्र		

द र द र द र द द र द र दानि
 १ २

तार	सु सु सु सु
-----	-------------

मध्य	गु गु गु गु गु गु मु मु ध ध
------	-----------------------------

मन्द्र	
--------	--

ना दिर द र द र मि ति ल न दीं त न न
 १ २ ३ २

तार	सु सु . ५	सु सु सु सु	रि
-----	-----------	-------------	----

मध्य			नि नि नि
------	--	--	----------

मन्द्र			
--------	--	--	--

न दीं त न न न नि त न सु
 १ २

तार		
-----	--	--

मध्य	धु नि धु धु मु मु नि	धु धु मु मु धु गु गु मु धु
------	----------------------	----------------------------

मन्द्र		
--------	--	--

नि त न - नि ता रे त न नि ता रे त न ना द
 ३ ० १ २ ३

तार	सु सु सु सु सु	रि	गु रि सु
मध्य	धु मु मु	नि	
मन्द्र			
र द र तुं द र द र धि त्ता . तु द २ १			

तार	सु सु सु	रि	
मध्य	नि नि	निधु धु धु म धु नि धु	
मन्द्र			
र द र धित्ता तु द र द र धित्ता . तुं २ ३ २			

तार			
मध्य	मु मु मु मु	मु मु मु	गु गु रि रि सु सु ५
मन्द्र			
द र द र द र द द र द र द्वा नि १ २			

नंबर २३.

राग कानडा संपूर्ण.

इसमें गंधार धैवत कोमल, निषाद दो, एक शुद्ध दुसरा अतिकोमल
अतिकोमल निषाद के वास्ते निशानी होगा बाकी सब शुद्ध स्वर
ताल चार ताल.

तार		
मध्य	स म रि स रि . ५	
मन्द्र	नि	ध ^७ ध ^७ ध ^७ ध
	तु व . मु र त ३ २ २	रु . प रे १ ३

तार		
मध्य		सु .
मन्द्र	५ नि पु . ५ सु प ध ^७ ध ^७ ५ नि . ५	
	. रा रं ग की . प नी २ ३ २ २	१३

तार			
मध्य	स स . १	रि स सु .	
मन्द्र	नि	नि	नि धु . ५

आ . ये . आ . ले री . .
२ ३ २ २

तार				
मध्य	,	स रि रि १ रि गुँ . १ ध		
मन्द्र	स प नि			

ध न ध न ध न वि रं . च
१ ३ २ ३ २

तार			
मध्य	गुँ . १	ग म रि सु सु . ५	स प ध . १
मन्द्र			

त फा . री य ह त . मी .
२ १ ३ २ १ ३ २

तार	सु .	सु सु . ५	सु .
मध्य	नि	नि	नि
मन्द्र			

तु हि . औ . र ई . खी
३ २ २ १ ३

तार	सु रि सु .
मध्य	नि ध . १ ध ५ नि पु . ५
मन्द्र	

. न ले . . खी . ये
२ ३ २ २

तार	
मध्य	प श . १ ग म प ग रि रि सु . ५
मन्द्र	

तु व . प . र मे रि डा ई
१ ३ २ ३ २ २

तार	स
मध्य	स रि म प धं . १ नि ध
मन्द्र	नि

दे व लो . फ म . ना . हे
 १ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	५ नि षु ५ . ५	रि म रि स सु . ५
मन्द्र		

. . ना . री य ह
 २ १ ३ २



[१०२]

नंवर २४

राग कानडा

ताल त्रिताल

तार	
मध्य	सु . ५ सु सु सु सु सु
मन्द्र	धँ धँ नि नि
	सो . इ . करी म र ही म १ २ ३ २

तार	
मध्य	सु सु सु सु सु सु सु रि
मन्द्र	नि नि धँ ५ नि
	ह की म पा क प र व र दि गा .

तार							
मध्य						स	सु
मन्द्र	पु	म	म	पु	पु	धु	नि नि नि नि
	र	ग	र	विय	को	ग	र व दृ र क
		१			२		३ २

तार							
मध्य	सु	रि . ५	रि	रि	गु	म	पु
मन्द्र							
	र	डा	र	त	है	छि	न मे दृ पि या
			१		२		३ २

तार							
मध्य	गु	. ५	म	रि	सु	रि	सु . सु रि . सु
मन्द्र						नि	
	को		१	मो	रे	श ता	३ . ये
				२			

तार		
मध्य	सु ५ रि सु . ५	स ग म म प प
मन्द्र	नि	
	२ . तु व	जो मौ म न की इ १ २ ३

तार		
मध्य	प प	म प ५ नि ५ नि प म रि सु रि
मन्द्र		नि
	छा सो पु ज वो . . . सा . २ १ २ ३	

तार		
मध्य	स स	स स रि म
मन्द्र	५ नि ५ ने	म प ध
	. इ स दा रं ग को दी जे की न २ १ २ ३	

तार		सु . १
मध्य	सु प ऋ नि षु	ऋ नि ऋ नि षु
मन्द्र		
	हु नी मं . जो	वा . त
	२	१ २

तार		
मध्य	सु रि सु सु रि सु सु ऋ रि सु . ऋ	
मन्द्र	नि नि	
 ये . . तु व
		३ २

नंबर २५.

राग कानडेकी बहार.

इसमें गवार दो शुद्ध और कोमल, धैवत दो शुद्ध और कोमल
निषाद दो शुद्ध और अतिकोमल, शुद्ध ध, ग, और अतिकोमल
नि के वास्ते निशानी होगी. चार्की सव शुद्ध स्वर
ताल तीन ताल

तार	सु सु	
मध्य	नि नि	५नि षु सु रि सु रि
मन्द्र		

उ द त न ह त न ह या न रे दि
३ २ १

तार	सु सु	रि सु
मध्य	प धं ५५ नि	५नि
मन्द्र		

ता नो . दि त न न दे रे ना
२ ३ २ १

तार	
मध्य	धं धं ५नि षु षु षु सु ५नि षु सु . ५
मन्द्र	

दी दी . त न न न दे रे ना
२ ३ २

तार	
मध्य	गु मु षु I गुं . १ गु म सु सु सु सु . ५
मन्द्र	
	ता . . . नों दीं दीं त न न न १ ० ३ २

तार	
मध्य	सु . सु सु सु ५ मु मु मु मु मु मु पु पु पु
मन्द्र	
	दे र ना दे र ना द र द र त न न १ २ ३

तार	मु . मु मु . ५
मध्य	पु ५ नि मु पु . ५ गुं . गु
मन्द्र	
	न दे रे ना दे र ना दे ३ २ १ २

तार	सु सु रि रि
मध्य	सु पु ष गु सु पु ष धु नि
मन्द्र	

ना त दा नि त न तू द र त द
३ २

तार	सु रि सु सु
मध्य	५नि ५नि पु . ५ नि नि
मन्द्र	

र दा नि त दा नि उ द त
१ २ ३

तार	सु	
मध्य	५नि पु सु रि सु १	सु सु सु सु पु पु
मन्द्र		

न द त न द . य ल लि य ल लि
२ १ २

तार	स सु सु . ५	रि
मध्य	धुं धुं नि नि नि	५नि
मन्द्र		

य ल लॉ य ल लॉ य लि
३ २

य ला
१

तार	सुरिसु सु .	सुरि	रि
मध्य	नि धुं धु नि		
मन्द्र			

य ला या ला . ले य ल ल ल ला
२ ३ २ १

तार	सु . ५	स	स
मध्य	नि .	मुमुप	मुप . पु मु
मन्द्र			

. ले उ द नि ता त दे रे ना शी
२ ३ २

तार		
मध्य	पु	५नि ५नि पु मु रि रि सु . ५ सु सु
मन्द्र		

त न न न दे ना ना द
१ २ ३

तार		
मध्य	सु सु सु मु मु मु मु मु मु मु मु मु	पु पु
मन्द्र		

रं द र तुं द र द र द र द र द र
२ १

तार		सु म
मध्य	पु पु पु पु पु पु ५नि ५नि पु पु पु पु पु पु	
मन्द्र		

द र द र द र द र द र द र द र धित्ता
२ ३

तार	रि०रि०रि०सुसुम	रि० सु सु .
मध्य		नि ५निपु . ५
मन्द्र		

तुं द र द र ता रे दा नि त दा नि
 २ १ २

नंबर २६.

फानडेकी बहार.

तीनताल.

तार		स
मध्य	५नि प सु प गु मु ५	धुं नि नि
मन्द्र		

फै सी नि फ सी . चां . द नी
 ३ २ १ २

तार	सु ५	
मध्य	नि ५नि नि षु सु सु सु सु	गुं
मन्द्र		
	. . स र द रे न म द	मा
	३ २	१

तार	
मध्य	सु सु षु रि रि सु सु ५ सु सु षु षु
मन्द्र	
	. ती घो क ल भ ई पि उ पि उ टे
	२ ३ २

तार	सु सु ५
मध्य	सु षु षु सु सु धु नि नि नि
मन्द्र	
	. र त भा . मि नी . .
	१ २

तार	सु सु सु लु	सु रि
मध्य	मु मु षु नि धु षु नि	नि
मन्द्र		
	छि न आं .	ग न छि न जा . त
	३	२ १

तार	सु रि रि	
मध्य	धु ^६ धु षु नि षु नि प मु मु मु	
मन्द्र		
	भु व न मे	छि न वै ठ त छि
	२	३ २

तार	
मध्य	मु गु मु मु प रि सु सु सु सु मु
मन्द्र	नि
	न टा . डे डु दो र त क ल न प
	१ २ ३

तार		सु सु	सुरिसु
मध्य	सु सु पु पु	ॐ गु सु	नि
मन्द्र			
	र त त र	फ त वि र हा	. . कु
	२	१	२

तार			
मध्य	धु . ५ ५ नि ५ नि पु सु धु पु सु पु ० गु सु		
मन्द्र			
	ल	ख	म क त जो . . . डु ति
		३	२

तार	सुरिसुरिसु	सु . ५
मध्य	धु नि नि	नि
मन्द्र		
	दा . मि नि	
	१	२

नंबर २७.

राग कामोद.

इसमें दो मध्यम लगते हैं, एक शुद्ध दुमरा तीव्रतर, जत्र शुद्ध मध्यम लगे उसवक्त अवरोह करना, और तीव्रतर लगे उसवक्त आरोह करना, तीव्रतर मध्यम के वास्ते निशानी होगी यात्रीके सत्र शुद्ध स्वर.

तीनताल.

तार		
मध्य	० पु पु धु धु . पु	स . सु प धु Δ सु पु गु
मन्द्र		

जा ने न र्या . गी रि मा ई , . धा
२ १ २ ३

तार		
मध्य	० रि सु सु रि सु . य	स सु
मन्द्र		नि धु . नि नि

प ने या ल म कां न . न न मे फ
२ १ २

तार		
मध्य	सु रि स सु सु सु सु . ५	रि सु रि सु
मन्द्र		

र रा खो प ल ख न सुं . द
३ २ १

तार		
मध्य	रि सु रि सु ५५ सु रि प ५ प ५ धु धु . प	
मन्द्र		

सुं . . द . क रे . . जा ने न घो .
२ ३ २

तार		सु
मध्य	सु . सु प धु Δ सु पु ५	सु सु प प
मन्द्र		

गी रि मा ई . . ज थ धा वें ने
१ ० ३ २

तार	सु सु सु ५ म म रि सु
मध्य	ध . प म रि
मन्द्र	

ला ल हि आ . प्र हि मो रे म द
१ ० ३ २

तार	म म रि ५ रि सु . १
मध्य	५ सु ५ ५ ध नि
मन्द्र	

र ले . ह य ल या .
१ ० ३ ०

तार	सु रि सु
मध्य	नि ध प प म ५ सु रि पु . ५
मन्द्र	

. . श्रु . म श्रु म ष र
१ ० ३

तार		
मध्य	सु रि स सु सु सु सु . ५	रि सु रि सु
मन्द्र		

र रा खो प ल ख न सु द
३ २ १

तार		
मध्य	रि सु रि सु ५५ सु रि पु पु पु धु धु . पु	
मन्द्र		

मु द क रे जा ने न घो
२ ३ २

तार		स
मध्य	स . लु प धु Δ मु पु ५	मु मु प प
मन्द्र		

गी रि मा ई ज व आ वें ने
१ २ ३ २

तार	सु सु सु ५ म म रि सु
मध्य	ध . प म रि
मन्द्र	

ला ल हि आ . प्र हि मो रे मं द
१ २ ३ २

तार	म म रि ५ रि सु . १
मध्य	५ सु ५ ५ ध नि
मन्द्र	

. र ले . ह व लै था .
१ २ ३ २

तार	सु रि सु
मध्य	नि ध प प म ५ सु रि पु . ५
मन्द्र	

. . श्रु . म श्रु म फ रे .
१ २ ३

[११८]

नंबर २८.

राग कामोद.



ताल छपताल

तार		
मध्य	रि पृ पृ पृ पृ धु Δ मु पृ . पु . ५	Δ म
मन्द्र		

गो रे व द न प . . र शा
 १ २ ३ २ १

तार	सु .
मध्य	पृ धु नि ध Δ स धु ० म गृ रि . ५
मन्द्र	

. म . . धि टा . . ना . .
 २ ३ २

तार	.
मध्य	रि प Δ म प ग म रि सु सु . ५
मन्द्र	नि

तिल क . भा . ल ओ . र
१ ० ३ २

तार	सु
मध्य	रि प ध प ग म सु रि सु . ५
मन्द्र	

सुं . . द . न . मा . ई
१ २ ३ ०

तार	सु सु सु सु सु सु . ५	सु
मध्य	प प	नि ध
मन्द्र		

गा रे गो रे क र जा मे ह रि हा
१ १ ३ २ १ २

तार	रि स	रि पृ ग म रि
मध्य	नि ध्र प . ५	नि
मन्द्र		

रि चुरि या .
३ २

पो छे ग ज र ओं
१ २ ३ २

तार	सु सु . ५	स
मध्य	रि प ध प	ग म स रि सु . ५
मन्द्र		

वूं . . द . न . मा . ई
१ २ ३ २

नंबर २९.

राग शंकरा.

इसमें मध्यम वर्ज वाकी के सब शुद्ध स्वर लगते हैं ताल
चक्र चारताल. (आडा चौताल.)

तार	सु सु	
मध्य	ध नि . ५	प ग प ग ल सु . ५
मन्द्र		
	चं ली . २ ३	चं . ड सुं . ट १ २ ३

तार		
मध्य	स . सु रिस . १	स
मन्द्र	नि ध	प ध प
	दि . द ल म ली २ ३ २ ३	म दि पा . १ २

तार		
मध्य	ससससु रिसससु . ५	ग ग ग
मन्द्र		
	सु र सं रा र नी भ ध ३ २ ३ २ ३	म न फो १ २

तार		सु	सु
मध्य	ग	रि	गु । प ग ग सु . ५ ध
मन्द्र			

ग ती . दी . नी चं डी .
३ २ ३ २ ३

तार		स	सु	स	स . १	स
मध्य	नि	५	पु			नि
मन्द्र						

. सं त पा ल नी धौ र दी
१ २ ३ २ ३ २

तार	ग	ग	ग	प	पु	गु . प	ग	रि	सु . स
मध्य									नि
मन्द्र									

न ना . . . दु खी या न ती
३ १ २ ३ २

तार	सु	
मध्य	धु नि प ध नि १-५	प प ग ग
मन्द्र		

• • हु लो • क वि दी ा जै
३ २ ३ ६ २

तार		
मध्य	रि गु . प ग ग स . १	
मन्द्र		

• • सी की • नी
३ २

नंबर ३०.

राग नट.

इसमें मध शुद्ध स्वर लगत है.

ताल त्रिनिताल

तार		
मध्य	सु . सु ग . १	सु सु . ५ रि
मन्द्र	नि	नि
	क . . . र त हो	३ . . . २ १

तार		
मध्य	ग रि . ५ गु मु ष म ग रि	स . १
मन्द्र		नि
	२	मो ३ सो २ . १

तार		
मध्य	सु रि	सु सु .
मन्द्र	नि	नि ध . ५ ५ ध
	ने २	हा ३ की २

तार		
मध्य	सु .	सु . १ रि गु
मन्द्र	नि	प १ १ ध ध
	.	. ; . इ टी . इ .
		२ ३ २

तार		
मध्य	रि गु	१ नि ५ सु रि सु . १ रि गु
मन्द्र		नि
	.	. टी . व ती
		२ ३

तार		
मध्य	ग स	धु पु धु पु स ग . १ ग मृ गुरि . १
मन्द्र		
	या .	व . . . ना ये . .
	२	१ २ ३ ०

तार			
मध्य	गु सु पु म गु रि	सु	सु . सु
मन्द्र		नि	नि
	व . . ना . . ये . क . .		
	१ . . . २ . . . ३ . . .		

तार			
मध्य	गु . १	सु सु . ५	रि . १ गु पु
मन्द्र		नि	
	. . र . त	हो	वे तो
	२	१	२

तार	स .	सु . स . १	सु .
मध्य	पु	नि	नि
मन्द्र			
	ह . मे .	ह .	जा .
	३	२	१

तार		
मध्य	ध प सु षु . प म ग मृ रि ५	रि रि ग
मन्द्र		
	२ . . . न त . . . तु म हो	३ २ १

तार		
मध्य	मृ पु सु मृ रि सु	सु . रि स १
मन्द्र		नि
	२ जा . . . ः	३ . न त २

तार		
मध्य	रि स १ सु रि	सु इ
मन्द्र	पु पु नि	नि धु
	३ स र स ज ग . जा . . . न	२ १

तार	सु सु .
मध्य	गु म् पु पु नि धु पु
मन्द्र	पु ५ . ५

त हि य र सा हा य
२ ३ २

तार	
मध्य	म ग ग म् रि सु रि सु रि लु १
मन्द्र	नि नि

रा ता जा ना १
१ ३ ३ १

तार	
मध्य	ल
मन्द्र	नि धु नि ५

[१२९]

नं० ३१.

राग मालवकौशिक.

इसमें रिपम और पचम वर्ज गंधार धैवत जीर निपाद
अतिशोमल वादी के सब शुद्ध स्वर
ताल चारताल.

तार	स .
मध्य	सु ग सु ध नि नि ध सु ग सु . १
मन्द्र	

तार	
मध्य	सु सु सु म म ग म सु . ५
मन्द्र	ध नि

शा धे र घृ यी . र धी . र
१ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	मु म् मु म् ध म् म् गु गु . ५	गु म् ध
मन्द्र		

लं क धी. श आ व ध मा. न
१ ३ २ ३ २ २

सं ग स
१ ३

तार	स सु ग स	
मध्य	नि नि धु . ५	सु धु
मन्द्र		

या . अं ग द सू ग
२ ३ २ २

री .
१

तार		
मध्य	नि ध म् म् ग ग म् सु सु . ५	ग ग
मन्द्र		

. घ औ. र ह नू . मा. न
३ २ ३ २ २

र ह
१

तार	सु सु सु	सु
मध्य	म ध ध नि	नि नि . ५
मन्द्र		

स र ह स गा व त यु व ती
३ २ ३ २ २ १

तार	सु सु सु	सु म
मध्य	नि ध नि ध ध सु . ५	
मन्द्र		

ज ग वं ध न वि धा . न द्वे व
३ २ ३ २ २ १ ३

तार	ग सु सु सु सु ग सु	
मध्य		नि धु . ५ ग म
मन्द्र		

कू सु म व र ख त ध न जा .
२ ३ २ २ १

तार	
मध्य	मृ धु नि ध म ग ग गृ मृ सु सु . ५
मन्द्र	

के . . र हे न भ वि . मा न
३ २ ३ २ २

नंबर ३२.

राग मालवकौशिक.

तीन ताल.

तार		
मध्य	ग	सु . ५ १ मृ मृ
मन्द्र	नि नि नि धु नि	

धा घा स्म र द म ना शं फ
३ २ १ २

तार		सु . सु
मध्य	मु धु . नि	धु . नि सु .
मन्द्र		

प रा ए रा म हे श्व रा
२ १ २ ३

तार		
मध्य	गु . मु	सु . १ मु गु सु धु मु धु नि धु
मन्द्र		

मा व रा प्र व रा न व रा न ध
२ १ २ ३ २

तार		सु सु सु
मध्य	नि . ५	नि नि नि धु धु
मन्द्र		

रा डु स रा प रा -

तार		
मध्य	म म ग	ग स म म ग . ५ म ध नि
मन्द्र		

रा दि ग व रा श क रा ड म रु
२ १ २ ३

तार	सु	
मध्य	नि ध नि	ध म ग म ग स ग
मन्द्र		नि

व र क रा व म ल नि धा ना धा धा
२ १ २ ३

तार		
मध्य		स स ग सु सु
मन्द्र	नि नि ध नि . ५	नि

त्स र द म व ह्य च्यु त यु त
२ १ २ ३

तार		
मध्य	सु सु . ५ धु सु गु सु	धु धु . ५ नि धु
मन्द्र		

गा ती
३मु नि व र
२यो गा
१व रि
२

तार		सु		सु
मध्य	सु धु नि नि . ५		नि धु नि	
मन्द्र				

व रि धा वे
३उ
२नि प र रा
१

तार	सु . ५ सु		सु
मध्य		नि धु सु	नि धु नि धु
मन्द्र			

हे

नि
२

रि व र

म हा त्म अ पा
३ २

तार			
मध्य	म०	ध० म० ग० म० ग० सु० . ५	
मन्द्र			

र श्रु ती स न पा र
 १ २

नयर ३३

राग कौशिककानडा.

इसम पचम वर्ज गंधार अतिकौमल निषाद अतिकौमठ
 जाति पाडव बाकीक सब शुद्ध स्वर
 ताल चार ताल

तार		
मध्य	नि ध म ग रि स	स सु सु . ५
मन्द्र		ध नि

ध न ध न ध न मा त ग ग
 १ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	स ग म ध ध ध धु णि . ध म्
मन्द्र	नि

चा . ह त सु नि ज न . प्र स
१ ३ २ ३ २ २

तार		स स
मध्य	म . ५	ग म ध नि नि नि . ५
मन्द्र		

ग प्र ग टी . र धू ना थ
१ ३ २ ३ २

तार	रि स	स
मध्य	णि . ५	नि ध म ग रि सु
मन्द्र		

च र न फ र न सू ख यी
२ १ ३ २

तार		
मध्य	स ग म धु . ५	ग म ध नि
मन्द्र	ध नि	

हा . री
३ २

.

दी . नी .
१ ३

तार	स स	म सु . ५
मध्य	धु . नि नि	नि
मन्द्र		

नि धो वू द डा र
२ ३ २ २

तार	स रि स	सु .
मध्य	नि	नि नि धु म ग
मन्द्र		

अ रि अ न .
१ ३ २

ग सी स डा
३

तार		स मु गु . रि सु . य स रि
मध्य	म मु . य	
मन्द्र		
	र	आ . . ई . . सू त
	३	१ ३ २

तार	सु स	
मध्य	नि ध मु . य	ग म ग रि स . १
मन्द्र		
	म ध्य लो . फ	सं . त न को
	३ २ २	१ ३ २

तार		
मध्य	स ग म धु . य	
मन्द्र	धु नि	
	प्या . री . .	
	३ २ २	

[१४२]

नंबर ३४

राग बागेशरी



इसमें गधार अतिकोमल, निषाद दो एक शुद्ध दूसरा अतिकोमल,
 शुद्ध निषाद के वास्ते निशानी होगा बाका के सब शुद्ध स्वर
 ताल तीन ताल'

तार		
मध्य	१ रि ग रि सु	रिस . १ सु सु रि . सु
मन्द्र		

को न ग त भ इ . ली . . मो
 २ १ २ ३

तार		
मध्य		सु सु रि
मन्द्र	नि धु . धु	नि पु ५ ५ फ नि

० . सी . . वि य न पू
 १ २

तार		
मध्य	गु रि सु रि रि ५ ५ मु प पु धु .	सु ग
मन्द्र		

. . . छे ए क . . वा .
३ २ १

तार		
मध्य	रि मु गु रि सु १ रि गु रि सु	I . गु
मन्द्र		

. . . त . को न ग त . ए
२ ३ २ १

तार	सु .	सु ५	सु ५ ५
मध्य	मु धु नि	फु नि	
मन्द्र			

क व न धं . . . इ
२ ३ २ १

तार	सृ णि गृ णि सु . सृ णि सु . ५
मध्य	० नि
मन्द्र	

स क ल . व न . . . व
२ ३ २

तार	सृ
मध्य	नि नि णि धृ १ १ धृ धृ नि १ धृ पु
मन्द्र	

न . . आ ये . डा . . . रे .
१ २ ३

तार		
मध्य	गृ . णि गृ सु . ५	गृ मृ पु पु धृ मृ गृ णि सु
मन्द्र		

हा . . र . कर . . . पा . त .
२ २ २ ३

[१४०]

नमर ३०

राग सोहनी पाडव.



इसमें रिपभ अतिकोमल मध्यम तीव्रतर, पञ्चम वर्ण, निषाद तीव्र
बाजाके सब शुद्ध स्वर है

ताल तीनताल

तार		सु	रि सु
मध्य	१ गु गु गु सु धु नि		नि
मन्द्र			

ये रि ज सो दा तु स ल रा ग
३ २ १

तार	रि रि	सु ५१ रि सु रि सु
मध्य	नि नि	नि धु
मन्द्र		

ल रा द ते रे कु म र ने
२ ३ ४

तार	सु		
मध्य	सु धु नि धु नि	नि . ५	१ गु गु
मन्द्र			

धू म म चा . . ई का उ
१ २ ३

तार	सु रि सु रि		
मध्य	गु मु धु नि नि		नि नि
मन्द्र			

के खि र से म ट की या द ध कि
२ १ २

तार	सु सु १ रि सु रि सु		
मध्य		नि धु धु	सु धु नि
मन्द्र			

लि नि का उ के खि र से य म रि या
३ २ १

तार	सु	१	गु	रि	सु
-----	----	---	----	----	----

मध्य	नि	नि	धु	नि	नि
------	----	----	----	----	----

मन्द्र					
--------	--	--	--	--	--

दू र का . . ई वि च ड
२ ३

तार	गु	रि	सु	रि	सु	रि	रि
-----	----	----	----	----	----	----	----

मध्य	नि	नि				
------	----	----	--	--	--	--

मन्द्र						
--------	--	--	--	--	--	--

ग र मो से नि ष ट त न
२ १ २

तार	सु	सु	१	रि	सु	रि	सु
-----	----	----	---	----	----	----	----

मध्य	नि					नि	धु	धु
------	----	--	--	--	--	----	----	----

मन्द्र							
--------	--	--	--	--	--	--	--

ट थ र धा द हा स त स थ

तार	सु
मध्य	सु सु धु नि धु नि नि . ५
मन्द्र	

त्रि ज कि लु गा . ई
१ २

नंबर ३६

राग हिंडोल ओडव.

इसमें रिषभ पंचम वन मध्यम ताव्रतार बाकीके सब शुद्ध स्वर
ताल धमार

तार	सु .
मध्य	सु ग म ध नि ध म म ग सु
मन्द्र	ध

शा म मो सो रे लो न हो
१ २ ३ ४ ५

तार		
मध्य	स स . १	सु . स ग
मन्द्र		नि ध म ध
	. री	पा . . ला गो . क १ २

तार	स	
मध्य	ग म ध सु ग म धु . ५	स ध
मन्द्र		
	र जो . . री . . .	गै या १
	३ २	

तार	स स स
मध्य	ध नि सु . ध ध धु . ५ ध
मन्द्र	
	व रा . . व न मै नि क सी २ ३ २

तार	स . १	स ग ग स ग स	सु .
मध्य			ध नि
मन्द्र			

६ सा . स न नं द की .
१ २ ३

तार		
मध्य	ध र ग	स सु . ५
मन्द्र	ध	

० . चो . री
०

नंबर ३७

राग ललित पाडव.

इसमें रिषभ धंवल अतिके मउ मध्यम दो शुद्ध और तीव्रतर,
ताव्रतर म के वारते निपाती होगी बासा के सम शुद्ध स्वर

ताल धमार

तार

मध्य सु . म् . १ म् म् म् म् म् म् म् ग् Δ म् ध

मन्द्र

क से जा उ आ ली . . . नि क
१ २ ३ २

तार सु . ५ ५ रि

मध्य नि नि Δ म् ध Δ न

मन्द्र

सी न न द की
१ २

तार

मध्य गु म् गु म् गु १ रि गु म् . ५ Δ म्

मन्द्र नि

. . चा . री ल ल हो वा
३ २ १

तार	सु सु सु . सु सु . १	रि
मध्य	धु	नि .
मन्द्र		
	. दी न को ड र	मे रे
	२ ३ २	१

तार	ग रि सु १ १	रि
मध्य	नि	नि धु
मन्द्र		△ म
	री दी या	म . .
	२ ३	२ . .

तार	सु . सु सु . १	रि
मध्य	धु △ म ग म् .	नि
मन्द्र		
	ता री नी
	२ ३ ५	धा .
		१

तार	
मध्य	निध Δ मध ग म ग १ रि ग म् ५
मन्द्र	नि

ह म रो . . . री ल ल हो .
० ३ ३

नं० ३८

राग ललीत

तीन ताल

तार	
मध्य	गु रि गु म् गु रि रि गु म् म् Δ म्
मन्द्र	नि

पि या पि या क र त प पी य रा
३ ३ १ ०

तार	सु सु रि
मध्य	गुं मुं . ५ Δ मुं धुं Δ मुं धुं निं
मन्द्र	
	उ ड रि का य लि या क ३ २ १

तार	
मध्य	निं धुं Δ मुं धुं Δ मुं मुं गुं . ५ Δ मुं धुं Δ मुं धुं
मन्द्र	
	व न ई . स मो रे पि या को मि ३ ३ ३

तार	सु रि
मध्य	निं निं निं धुं Δ मुं निं धुं Δ मुं
मन्द्र	
	ल ना . . क व . . हो . २ १ २

तार		
मध्य	म० . म० म० म० म० म० म०	ग० रि० ग० म० ग०
मन्द्र		

आ व न सु नी पी च म म न र
३ २ १ २

तार		स० स० स० रि०
मध्य	रि० सु० . ५ Δ म० ध० Δ म० ध०	
मन्द्र		

ग का म ग न भ ये स व घ
३ १ १

तार		
मध्य	नि० नि० Δ म० ध० Δ मु० गु० मु० . ५	
मन्द्र		

र के हि य रा ,
२

[१५७]

नं० ३९.

राग वसंत.

—••••—

इसमें रे, ध अतिमोमल म दो शुद्ध, तानंतर शुद्ध म के वास्ते
निशाना होगी, बाकाके सब शुद्ध स्वर आरोह में पंचम वर्ज.

तीन ताल.

तार		
मध्य	१ म० धु नि . २ ध पु . ५	धु मु पु म० ग०
मन्द्र		

पि या . मं ग मे
३ ० १

तार	स . ५ ५	रि सु
मध्य	म० ग० . १ म० धु	नि
मन्द्र		

. . ली . री य र न
२ ३ २ १

तार	रि सु सु . ५ सु
मध्य	नि धु नि धु पु . ५ सु सु
मन्द्र	

य र न के व स न प र कु ल
२ ३ २

तार	
मध्य	धु नि नि धु सु गु . ५ सु गु रि सु . ५
मन्द्र	

व न के ह र वा गुं दे गुं दे
१ २ ३ २

तार	सु .
मध्य	सु धु नि नि धु पु १ सु धु नि . ५
मन्द्र	

डा रि हो . ग र वा धि या .
१ २ ३ २

तार		
मध्य	धु पु.५	धुमु पुं मुं गुं मुं गुं.१ मुं
मन्द्र		

सं ग से . . . लो
२ १ २ ३

तार	स.५५	ससुस.सु
मध्य	धु	१.मु धु
मन्द्र		

. री तै सो हि व सं त
२ १ २ ३

तार	सुसुसु.५	सुसुसुसुसु सुसु
मध्य		नि
मन्द्र		

उ प जे स थ के म न ड ल सा
२ १ २ ३

तार	रि सु I सु	रि गु
मध्य	नि नि धु नि . ५	
मन्द्र		

. . . लि नो म न्वा अ त
२ १

तार	गु . रि सु रि रि सु सु
मध्य	नि नि नि धु धु
मन्द्र	

हि . छा व प री . . . ला . मो
२ ३ २

तार	सु सु
मध्य	मु मु धु . ५ नि धु नि धु प
मन्द्र	

. . रा जी ह र वा . .

[१६१]

नंबर ४०.

राग कालंगडा संपूर्ण.



इसमें रिषभ, धैवत अतिमोमल, निषाद दो शुद्ध और अतिमोमल शुद्ध निषादके चास्ते निषानी होगी. बाकोके सब शुद्ध स्वर है.

ताल तीनताल.

तार		
मध्य	नि धु पु मु ग गु म प	धु धु पु १ १ स
मन्द्र		

धा . नि . तुं ह र सो ड र रे . तुं
३ २ १ २ ३

तार		सु रि रि सु
मध्य	ग मु ष नि धु	धु धु पु धु नि
मन्द्र		

फ्या र हा नि ड र रे . . .
२ १ २

तार		
मध्य	नि धु पु सु पु ५	सं सं सं सं सं सं ग
मन्द्र		

. गा फि ल म त रे वे
३ २ १

तार		
मध्य	गु गु गु सु प धु धु धु धु पु धु पु सु	
मन्द्र		

त स वे . रा म न में रा ख फि क र
२ ३ २ १

तार		स	१ रि सु रि
मध्य	पु पु पु प धु धु नि	नि	
मन्द्र			

रे . . जो क छु क रे वे ग त् .
२ ३ २ १

तार	रि	सु. ५	सु लु
मध्य	नि	पु पु	नि धु धु
मन्द्र			

कर ले
२

शिर पर पर काल ज
३ २

तार		सु ५	
मध्य	धु धु पु पु धु नि		नि
मन्द्र			

वर रे . . .
१ २

यह अंतरे उपरके भजनके अंतरेके माफक गाना.

खाल गोरे तनपर भूला तन जायेगा जररे ।

यमके दून पकरकर घीमे काटे बहुत कसररे ॥

तुज धूल धभू पद नासा घट भजसागरको तररे ।

हर भज हर भज हर भज प्राणि हरिका भजन नू कररे ॥

नपर ४१

राग परज संपूर्ण.

इसमें रिपम, धैवत अतिकोम मध्यम दा गुद्ध और तीव्रतर तीन
तर म के वास्तु नदानी होगी धारीके सब गुद्ध स्वर है

ताल धमार

तार	सु
मध्य	नि ध पु पु . ५ नि धु . प ग म ग ५ . ५
मन्द्र	

ला ल गु ला ल जि . न डा . रो .
१ २ ३ २

तार	स रि रि
मध्य	रि ग् Δ म ध नि नि
मन्द्र	नि नि

व र जो रि न क रो र धु नं .
१ २ ३ २

तार	सु I	रि स रि स
मध्य	नि धु . ५ ध	नि
मन्द्र		

. . द न छो . डो जि हा .
१ २

तार	स	
मध्य	नि Δ म ध नि ध	Δ म धु . ५
मन्द्र		

त ह मा . रो . . .
 ३ २

तार		
मध्य	स ग Δ म प पु . ५	म ध नि नि . नि ध
मन्द्र		

अ क झं रो न मु र क जा . य र
 १ २ ३ २

तार	स	स
मध्य	नि . ५	ध नि ध प मृ ग Δ म ध
मन्द्र		

इ या छु . ट जा . य क च
 १ २ ३

तार	स	रि ग ग रि ऽ म
मध्य	नि . ध नि . ५	नि
मन्द्र		

वा रो
२

रा म स खे धा रे
१ २

तार	ग रि ष रि स रि	सु .
मध्य		नि नि धु . ५
मन्द्र		

पे . या प र त मं रो
३ २

तार	रि स रि	स
मध्य	ध नि नि धु ऽ मु ऽ म	
मन्द्र		

धु
१

ग ट प ट न उ
२ ३

तार	सु.	
मध्य	ध नि ध	नि Δ म धु. ५
मन्द्र		

धा . रो
२

नंबर ४७.

राग विभाम ओढव.

इगमें निराद और मध्यम वर्त, रिपन और धंवत अनिकोमठ
बानीने सब शुद्ध स्वर है
नाल सुरफाकता.

तार		
मध्य	गु रि सु सु . १ सु रि सु सु	स
मन्द्र		धु. ५

गा य न थो धा . . गु रु कं
१ ३ २ २ ३ १

तार		
मध्य	रि ग प् प धु पु ग रि स . १	स ग प्
मन्द्र		

जा गव्यो . . . रे सा ध ले
३ २ २ ३ १ ३

तार		सु
मध्य	रि ग प् प धु . ५	ध पु ग रि स स
मन्द्र		

हो . . त म तौ ग जा मे . य र
२ २ ३ १ ३ २ २ ३

तार		सु सु रि स . १
मध्य	सु . ५	ग ग प ध
मन्द्र		

त ग र स्व ति मू मी र न
३ १ २ ३

तार	स स स रि रि स	
मध्य	प ध	ध पु . ५ ग ग
मन्द्र		

जे . गू नी क री या . . त त व
१ ३ २ २ ३ १

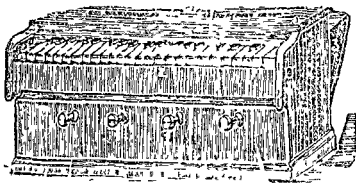
तार	स रि ज	
मध्य	प ग प प प ध ध . ०	ध र
मन्द्र		

ह व ज त अं ग के रं ग के . .
३ २ २ ३ १ ३ २

तार	
मध्य	ग रि स सु . ५
मन्द्र	

. . ये त
२ ३

विज्ञापन.



गांधर्व महा विद्यालय म्युजिकल इन्स्ट्रुमेन्ट सप्लाइंग कं० के कारखाने में हारमोनियम, तंबोरा (वीणा), मध्यमादि वीणा (सतार), तबला, मृदंग, तंबोरा बॉक्स, दिलरुवे, ताउस, फोडील, सारंगी, सरोद, जलतरंग, ये सब वाद्य तयार होते हैं.

नंबर.	किंमत हारमोनियम.	रूपये.
१. सिंगल हारमोनियम हातवाला	३५—७५
२. डबल ,, ,, ,, ,,	५०—१००
३. डबल कक्षरलटयूनका	१७५—२२५
४. ट्रीबल ,, ,, ,,	२५०—३५०
५. डबलरीड हारमोनियम हात और पेरवाला		१५०—३००
६. ,, पेरवाला ,, कक्षरीयलटयूनका	२७५—३५०
७. ट्रीबल पेरवाला हारमोनियम	३५०—५००
तंबोरा, सतार, दिलरुवा इत्यादि	३०—१५०
तंबोरा बाग्ग	१५—६०

मंनेजर -- गांधर्व महा विद्यालय म्यु. इन्स्ट्रुमेन्ट सप्लाइंग कं०

गोड्डस्ट्रे रोड, - चम्पई.

संगीत शिक्षणकी क्रमिक पुस्तके.

इस विद्यालय में पं० विष्णु दिगंबरजीने संगीत विधापर
आज तक जों किताब तयार किइ उनके नाम और किंमत,

	भाग	रु	आ	
महिला संगीत हिंदी.	१	०	२	१
महिला संगीत हिंदी	२	०	४	०
संगीत तरवदर्शक	१	०	८	०
भक्ति अलंकार	१	०	८	०
हारमोनियमप्रकाश हिंदी और उर्दू	१३	०	४	०
संगीत बालबोध हिंदी और उर्दू	१	१	८	०
' " " द्वितीय भाग	२	१	०	०
स्वरपालाप गायन	१४	५	८	०
राग प्रवेश	११३	११	०	०
न्यायामके साथ संगीत	१२	१	०	०
संगीत प्रथम भाग हिंदी		२	०	०
• " " द्वितीय		३	०	०
राग भैरव		२	०	०
राग मालकम		२	०	०
राग भूपाली		२	०	०
सुदग और तबलेकी पुस्तक		१	०	
सतारकी पुस्तक	१२	३	८	
नारदीय निभा भाषा टीका समेत		१	०	
भजनामृत लहरी	१५	२	८	
राम नामावली		०	२	

इसके सिवाय श्रीयुत सुकधनकर कृत पद्यावलिया मिलेंगी

मनेजर

॥ धर्मगुरु इति प्रथमः ॥

संगीत बालबोध

अर्थात्

(तारमोनियम प्रकाश.)

ॐ द्वितीय भाग. ॐ

संपादन, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पण्डुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इण्डियन म्यूजिक, मिन्मिपॉल,



सांख्ये महा विद्यालय—पुणे द्वारा रचित

सन १९०१.

इस पुस्तके में संगीत तथा अष्टविध नृत्य का वर्णन
अत्यंत सरल भाषा में किया है

मूल्य [मूल्य] १००० [मुद्रक १०००]

"सांख्ये महा विद्यालय" से, गी. ए. ए. ए. द्वारा

  हमारे यहां के लेखनपद्धति (नोटेशन सिस्टम्) को
सामान्य के लिये संगीत तत्त्वदर्शक को पढ़ना चाहिये.



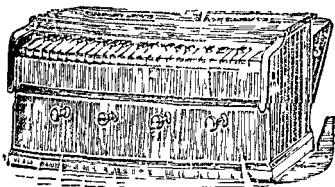
प्रस्तावना।

इस संगीत बालबोध द्वितीय भाग में प्रातः काल से ले कर सायंकाल तक जो प्रसिद्ध २ राग हैं वह प्रकाशित किये गये हैं। इस पुस्तक को पढ़ने में तथा इन में शिखे हुये गायनों को और सा, री, ग, म, को याद करने में दिन के रागों का उत्तम प्रकार का ज्ञान हो सकेगा इस लिये प्रेमीयों से कथन है कि वह उक्त बातों पर ध्यान देकर इस पुस्तक से लाभ उठावेंगे।

भवदीय,

विष्णु दिगंबर पलुस्कर,

विज्ञापन.



गाधर्व महा विद्यालय म्युजिकल इन्स्ट्रुमेन्ट सप्लायिंग कं० के कारखाने में हारमोनियम, तंबोरा (वीणा), मध्यमादि वीणा (सतार), तबला, मृदंग, तंबोरा यॉक्स, दिलरगा, ताउस, फीडील, सारंगी, सरोद, जलतरंग, ये सब वाद्य तयार होते है

नंबर.	किंमत हारमोनियम.	रुपये.
१	सिंगल हारमोनियम हातमाग	३५—७५
२	टबल	५०—१००
३	डबल कश्तरल्यूना	१७५—२२५
४	टीबल	२५०—३५०
५	डबलरीड हारमोनियम हात और पेरवाला	१५०—३००
६	” पेरवाला , कपरीयल्यूना	२७५—३५०
७	द्विपु पेरवाग हारमोनियम	३५०—५००
	तबारा, सतार, दिलरगा इयादि	३०—१५०
	तंबोरा याकग	१५—६०

मैनेजर — गाधर्व महा विद्यालय म्यु इन्स्ट्रुमेन्ट सप्लायिंग कं०

अनुक्रमणिका.

राग.	चिजो के नाम.	ताल.	पृष्ठांका.
भैरव संपूर्ण.	प्रथम आदनाद	विलंबीत चारताल.	१
"	जागो त्रिजराज	द्रुत चारताल.	१२
"	आज नंदलाल	झपताल.	१९
"	प्यारे मैत्रो	तीनताल	२५
"	आज मिल सब	धमार.	२७
तोड़ी.	काकरिया जिन	तीनताल.	३०
"	तराना-नादईतों	द्रुत चारताल.	३२
"	दुर्गे आदभवानी	झपताल.	३५
आसावरा.	कीन रिझावन	तीनताल.	३७
"	सखेरी जा दीन	धमार.	४०
विलावल.	प्रवलही शाम	झपताल.	४३
"	चारुशीले प्रिये	"	४६
"	तूंहि आदनाद	चारताल.	४८
सिंदोरा संपूर्ण.	आवत है ब्रौज	धमार.	५२
सुवासुधराई.	बल्मारि चूनरिया	तीनताल.	५४
"	तराना दीईमनादेरे	"	५८
भैरवी संपूर्ण.	सारेगम	"	६१
भैरवी छायाला०	सुंदर सरूप जाके	द्रुत चारताल.	६४
छा० भैरवा संपूर्ण	धन्य दीन	तेवरा.	६७
सारंग ओटव	मधुमदन मन	झपताल.	७१
गौड चारग	तराना-तनातनों	द्रुत चारताल.	७४
भीमपल्लासी	साडे नाल बामना	तानताल.	७६
"	ये सरी नंदपुंवर	चारताल	७९
मुलतानी	बाजत बधार्द	तीनताल.	८६
मिठु गंभीर	कानानें ऐसारे	"	९०
षापी संपूर्ण	सारेगम	"	९२
गाँट महार	आइ बदर्िया	"	९५
मालर, पाडव	गारेगम	"	९७
पूरी	दरीये मै कां	"	९९
धीरान	गौरी अरधंग	"	१०२
धंकरा कन्धान	आद महादेव	मुरपाचना, शुमरा.	१०४-१०८

थीगुरु दत्त प्रमथ
राग भैरव संपूर्ण.

इस राग में ऋषभ, धैरव अतिक्रान्त, बासी के सब शुद्ध स्वर.

ताल विलंबित चारताल

तार		
मध्य	ग म म प - ५ ५	धे धे प म प स ग ५
मन्द्र		

प्र ध म धा . ढ
० ० १ ३ ० ६

तार		
मध्य	ग मुरि . ग प म ५	म धु ग . मुरि . १
मन्द्र		

मा . ढ प्र .
० ० १ ३ ०

तार	
मध्य	स . ५ ५ रि रि स सु .
मन्द्र	नि धुँ धुँ . ५ धुँ
	स जो जा . . सो भ
	३ २ २ १

तार	
मध्य	सु . सु . स . ५ ५ रि ग ग प . ५ ५
मन्द्र	नि
	यो . . है स व हि .
	३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	सु गु सु . रि स सु ५ ग म म
मन्द्र	नि
	यी . . स्ता र . . प्र . थ
	१ ३ २ ३ २

तार					स सु . ५ सुस
मध्य	प . ५ ५	म धु नि			नि
मन्द्र					

म ज र प ष न धा न पा
२ १ ३ २ ३ २

तार	स सु . ५	स			स . ५ ५
मध्य			नि धु . नि धु .		
मन्द्र					

नि ध र धा
२ १ ३ २

तार	रि स सु .				
मध्य		नि	ध धु ष . ५	स प धु धु	
मन्द्र					

मा पा . . मा . र गृ हा र
३ २ ३ १ ३ २

तार	सु	
मध्य	धं० ५ धं० धं० पु० ५	गसधुगु० सु
मन्द्र		
	३ चौ क . र ता	१ ३

तार		
मध्य	रि० . I सु सु ५	गससप० ५ ५
मन्द्र	नि	
	२ र . . प्र . ध म	२ २

तार		
मध्य	धं० धं० पु० सु पु सु गु . ५ गु सुरि . गु पु	
मन्द्र		
	धा द . ना	१ ३ २

तार	.
मध्य	सु . ५ ल धु गु . मु रि : १ सु . ५ ५
मन्द्र	
	द घं . . ल ३ २

तार	
मध्य	रि रि सु सु . सु .
मन्द्र	नि धुँ धुँ . ५ धुँ
	जो . जा . . सो . म यो २ १

तार	
मध्य	सु . सु . ५ ५ रि गु गु णु . ५ ५ ल
मन्द्र	नि
	. . हं म ष हि ल ३ २ ३

तार	सु	
मध्य	ध्रु० ५	ध्रु० ध्रु० पु० ५ गु० सु० ध्रु० गु० सु०
मन्द्र		

३ चो फ . र ता
 २ २ ? ३

तार		
मध्य	रि० I सु० सु० ५	गु० सु० सु० पु० ५ ५
मन्द्र	नि	

. र . . प्र . थ म
 २ ३ २ २

तार	
मध्य	ध्रु० ध्रु० पु० सु० पु० सु० गु० ५ गु० सु० रि० गु० पु०
मन्द्र	

आ द . ना
 १ ३ २

तार	.
मध्य	सु . ५ ल धु गु . सु रि : १ सु . ५ ५
मन्द्र	
	द धं . . . त
	३ २

तार	
मध्य	रि रि सु सु . सु .
मन्द्र	नि धुँ धुँ . ५ धुँ
	जा . जा . . मो . म यो
	३ ३

तार	
मध्य	सु . सु . ५ ५ रि गु गु ष . ५ ५ सु
मन्द्र	नि
	दं म ष दि
	३ २ ३

तार	
मध्य	गु सु . रि सु सु ऽ गु म् गु पु . ऽ ऽ
मन्द्र	नि

स्ता र
२

प्र थ म
२

तार	सु सु . ऽ सु सु सु सु . ऽ
मध्य	म ध् नि नि
मन्द्र	

शब्द प व न
१ ३ २

आ झ पा नि
३ २ २

तार	सु सु . ऽ सु सु सु सु . ऽ
मध्य	म ध् नि नि
मन्द्र	

शब्द प व न
१ ३

आ झ पा नि
२

तार	सु .	सु . ५५ रि सु
मध्य	नि धु . नि धु .	नि
मन्द्र		
	ध ३	प्रो २ मा या ३

तार	सु .	
मध्य	धुँ धुँ पु . ५	सु पु धु धु धु
मन्द्र		
	मा ३	गृ १ धी ३

तार	सु	
मध्य	धु धु पु . ५ गु मृ धु गु . मु रि . ५ सु	
मन्द्र		
	नी २ क . ३	गा ३ र ३

तार		
मध्य	सु ५ ग म म पु . ५ ५	ग म म
मन्द्र	नि	

प्र २ य ५

प्र . थ २

तार		
मध्य	प . ५ ५	ध ध प म प म ग . ऋ ग म
मन्द्र		

म

आ १

द . ३

ना

तार		
मध्य	रि . ग प म . ऋ म ध ग . म रि . ५	
मन्द्र		

द

घ . २

तार	
मध्य	सु. ङ ञ रि रिसु सु.
मन्द्र	नि ध ध ञ ध
	स्य जो . जा . सो म
	३ २

तार	
मध्य	सु. सु. सु. ङ ञ रि ग गु प. ङ ञ
मन्द्र	नि
	यो . . हे म य हि .
	२

तार	
मध्य	सु गु सु . रिसु . य सु गु सु . रिसु . य
मन्द्र	
	वि . . स्तार वि . . स्तार
	१ ३ २ ३ २

तार		सु सु . ५
मध्य	गु मु मृ पु . ५ ५	सु ध नि
मन्द्र		
	प्र . थ म २	शब्द प व न १ ३ २

तार	सु सु सु सु . ५	सु सु . ङ
मध्य	नि	सु ध नि
मन्द्र		
	आ श पा . नि ३ २ २	शब्द प व न १

तार	सु सु सु सु . ङ सु
मध्य	नि नि ध . नि ध .
मन्द्र	
	आ श पा नि ध र . . ३ २

तार	सु . ङ ङ रि सु सु .
मध्य	नि धुँ धुँ प . ङ
मन्द्र	
	श्री मा या . मा . इ ३

तार	सु
मध्य	सु प ध ध ध . ङ ध ध प . ङ गु
मन्द्र	
	खु षी र . र ची क . र ता २ २ १

तार	
मध्य	सु धु गु . सु रि . इ सु सु य गु सु धु
मन्द्र	नि
 र . . ता . ३ २ ३ २

तार		सुसु
मध्य	गु मृ मृ प . ५ ५	म धृ नि
मन्द्र		

प्र . थ म
२

शब्द प व न
१ ३ २

तार	सुस सुसु . ५	सुसु
मध्य	नि	म धृ नि
मन्द्र		

आ श पा . नि
३ २ २

शब्द प व न
१

तार	सुसु सुसु . ङसु	
मध्य	नि	नि धृ . नि
मन्द्र		

आ श पा नि ध र .
३ २

तार												
मध्य	गु	सु	पु	गु	सु	रि	गु	सु	पु	गु	गु	सु
मन्द्र												
	के	दु	ला	रे	रे	रे	ज	मु	ना			
	२	३		२	२		१	३				

तार	सु	सु	सु	सु	रि	सु				
मध्य	धु	नि	नि	नि	नि	नि	नि			
मन्द्र										
	मं	गं	द	डा	र	ग्या	ल	धा	ल	हां
	२	३	२	२		१	३	२		३

तार	सु		सु	रि	सु			
मध्य	धु	धु	पु	म	पु	धु	नि	नि
मन्द्र								
	रे	रे	का	लि	दु	मु		
	२	२	१	३	२			

तार		
मध्य	धु धु नि धु धु पु	मु धु पु धु मु पु गु
मन्द्र		

का . र दे . त शा म ही ए क का
३ २ २ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	मु रि गु मु मु पु य	मु . गु रि सु सु
मन्द्र		

. . रे . . जा . गो त्रि ज
२ २ १ ३ २

तार		
मध्य	रि सु सु सु सु	मु . गु रि सु सु रि सु
मन्द्र		

रा ज कुं व र जा . गो त्रि ज रा ज
३ २ २ १ ३ २

तार	
मध्य	सु सु सु सु रि गु मु पु गु सु रि गु सु
मन्द्र	
<p>रु व र नं द के . डु ला . . रे . * ३ २ २</p>	

तार	
मध्य	मु पु ५ मृ . गु रि सु सु रि सु सु सु
मन्द्र	
<p>. . जा . गो वि ज रा ज कुं व १ १ २ ३ २ २</p>	

तार		सु	सु सु
मध्य	सु	गु गु म ध नि	नि
मन्द्र			
<p>र ज मु ना में गं . व डा र १ ३ २ ३ २ २</p>			

तार	सु	सु सु	सु रि
मध्य	गु गु म् धु नि	नि	नि
मन्द्र			

ज सु ना मं गं . द डा र ग्या ल था
१ ३ २ ३

तार	सु	सु	सु रि
मध्य	नि	धु धु पु मु	पु धु नि
मन्द्र			

ल हा . रे फा . ली . .
२ १

तार	सु
मध्य	नि धु धु नि धु धु पु मु धु पु धु मु पु गु
मन्द्र	

यु भु फा . र रे . त शा . म दि ए फ का
३ ३

तार		
मध्य	सु रि गु म सु पु ५	सु . गु रि सु सु रि
मन्द्र		

रे . जा . गो वृ ज रा
२ १ ३ २ ३

तार		सु सु
मध्य	सु सु सु सु	गु गु म धु नि नि
मन्द्र		

ज कु व र ज मु ना में में द डा
२ २ १ ३ २ ३ २ २

तार	सु	सु सु सु
मध्य	गु गु म धु नि नि नि	
मन्द्र		

र ज मु ना में में द डा र ग्या
१ ३

तार	सु रि सु सु सु सु
मध्य	नि धु धु पु सु पु धु नि
मन्द्र	
	ल वा ल हा रे का . ली २ ३

तार	रि सु
मध्य	नि धु धु नि धु धु पु सु धु पु धु सु
मन्द्र	
	बु भु फा र दे त शा . न द्वि ए २ ३

तार	
मध्य	पु गु सु रि गु सु सु पु ॐ
मन्द्र	
	व पा रे .

राग भैरव.
ताल झपताल

तार		
मध्य	स स्र ग म प् प ग म	प प ध्र नि
मन्द्र	नि	

आ ज नं द ला ल मधि प्रे म मा द
३ २ ३ ० १ २ ३

तार	स रि सु सु	
मध्य		नि ध प ग म म प पु १
मन्द्र		

क रि ये स ग ल ल ना लि ये
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	ग म नि ध प ग म रि रि स	ग म म
मन्द्र		

ज म न ति य रे च र न फो लि

तार	<u>स</u> <u>स</u> <u>स</u> <u>स</u>	<u>स</u> <u>स</u>
मध्य	<u>ध</u> <u>ध</u> <u>नि</u>	<u>धँ</u> <u>धँ</u> <u>नि</u>
मन्द्र		

के स र क म ल मा ल ती .
 ३ २ १ २

तार	<u>रि</u> <u>रि</u> <u>स</u> <u>स</u>	
मध्य	<u>धँ</u>	<u>ध</u> <u>ध</u> <u>प</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>प</u> <u>प</u> <u>ध</u>
मन्द्र		

स ध न व न मा द सु गं ध
 ३ २ १ २ ३ २

तार	<u>स</u>	<u>रि</u> <u>स</u> <u>स</u>
मध्य	<u>नि</u>	<u>धँ</u> <u>धँ</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>रि</u> <u>रि</u> <u>स</u>
मन्द्र		

सी . त ल स मी . रे . व र न
 १ २ ३ २

तार		
मध्य	<u>प</u> <u>प</u> <u>प</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>प</u> <u>ध</u> <u>ध</u> <u>प</u>	<u>प</u> <u>प</u> <u>प</u> <u>ध</u> <u>ध</u>
मन्द्र		
	मे . घ चों	प क व र न कृ ण्ण र स
	१ २	३ २ १ २

तार	<u>स</u>	
मध्य	<u>नि</u>	<u>ध</u> <u>ध</u> <u>प</u> <u>प</u> <u>ध</u> <u>ध</u> <u>प</u> <u>प</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>म</u>
मन्द्र		
	मा ते . रा . ग पौ . च म सो	
	३ २	१ २ २

तार		
मध्य	<u>प</u> <u>प</u>	<u>ग</u> <u>म</u> <u>नि</u> <u>ध</u> <u>ध</u> <u>ग</u> <u>ग</u> <u>ग</u> <u>रि</u> <u>स</u>
मन्द्र		
	हे	कृ टि ल ह ल का . न
	१	२ ३ २

तार	स	स	स
मध्य	मु म ध ध नि	नि	ध ध नि
मन्द्र			

ए क मु ष जो . र स की ध र र
१ २ ३ २ १ २

तार	स रि रि स स	
मध्य		ध पु प ग म पु ध नि
मन्द्र		

हि . ध्या न स व आ प नो . ला ल चि
३ २ १ २ ३ २

तार	स	
मध्य	ध ध प म ग म म रि स	
मन्द्र		

त चो र पा ये व ने .
१ २ ३ २

तार	सु सु सु सु	सु सु रि रि
मध्य	धु नि	धु धु नि
मन्द्र		
	२	३ २

तार	सु सु	सु
मध्य	धु	धु धु पु गु मु पु धु नि
मन्द्र		
	१	२

तार	रि सु सु	
मध्य	धु धु गु मु रि रि सु	
मन्द्र		
	१	२

राग भैरव.
तीनताल.

तार	
मध्य	१ गु म् गु रि सु सु सु रि रि सु सु
मन्द्र	नि
	प्या रे मे को ला ग ली अ खि मो री १ २ ३ २ २

तार	
मध्य	स सु सु सु रि रि सु गु म्
मन्द्र	धु धु धु नि
	अ य हि ने क प ल ग ह प क निसा १ २ ३ २

तार	स
मध्य	पु पु धु नि धु धु पु पु गु म् पु धु पु
मन्द्र	

सा रि ज गी ज गा इ तु नि अ ध न ज गा
१ २ ३ ३

तार	सु	सु	सु	स
मध्य	नि	ध नि	ध प ध	नि
मन्द्र				

रे छ ति यां म र न था य तू जि
 ३ २ १

तार	
मध्य	धु धु प ग म पु धु प धु धु पु म पु . ५
मन्द्र	

न जा या थ य न ज गा था . . .
 २ ३ ०

राग भैरव.
 ताल धमार.

तार	
मध्य	धु धु प प प प धु प ग म म . ५५
मन्द्र	

भा ज मिल स य गां न गा . धो

तार	
मध्य	<u>ध</u> . <u>धु</u> <u>ध</u> <u>म</u> <u>प</u> <u>म</u> <u>मृ</u> <u>रि</u> <u>गु</u> <u>मु</u> <u>प</u> <u>म</u> <u>रि</u> <u>स</u>
मन्द्र	

उ स प्र मु . के . ध . न्य वा द
१ २ ३ २

तार	
मध्य	<u>स</u> <u>स</u> <u>स</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>म</u> <u>प</u> <u>ग</u> <u>म</u>
मन्द्र	<u>ध</u> <u>ध</u> <u>ध</u> <u>नि</u>

जि स का य श नि त्य गा . ते हूँ ग .
१ २ ३ २

तार	<u>स</u>
मध्य	<u>धुँ</u> <u>ध</u> <u>नि</u> <u>नि</u> <u>ध</u> <u>ध</u> <u>धु</u> <u>प</u> <u>ग</u> <u>म</u> <u>मृ</u>
मन्द्र	

ध र्ध मु . नी ग ण ध न्य वा . द

तार	स	सु सु	
मध्य	म म धृ धृ नि	नि	ध ध ध
मन्द्र			

मं द रो मं क द रो मं प र व
 १ २ ३ २ १

तार	स	सु रि रि स	
मध्य	नि	धृ पृ	धृ पृ ग म
मन्द्र			

तो . के लि य र प र दे ते हे .
 २ ३ २ १

तार	रि सु	
मध्य	म प धृ धृ	धृ नि धृ धृ म म ग
मन्द्र		

ल गा ता र सौ सो या र मु नि य र ध
 २ ३ २ १ २

तार	
मध्य	म रि ग म प षु . ५
मन्द्र	

. न्य वा . . द
३ २

राग तोडि संपूर्ण.

इस में ऋषभ, गंधार और धैवत अनिकोमल मध्यम तीव्रतर.
निषाद शुद्ध
तीन ताल

तार	
मध्य	धु धु धु षु . मु षु धु धु मु म् गु रि गु रि
मन्द्र	

का क रि या . जि न मा . . . रो मो
१ २ ३ २

तार		
मध्य	रि सु	सु सु ध . प ध धु मु सु गुरि ग
मन्द्र		

. रे अं ग वा ल गी जा . . . रे .
१ २ ३ २

तार		सु	सु सु गुरि ग
मध्य	रि सु सु	पु मु ध	नि
मन्द्र			

लं ग र सु न पा वे . मो सी खा .
१ २ ३

तार	रि सु	रि सु	गुरि रि
मध्य		नि	नि धु नि
मन्द्र			

स न न दि . या . दो रे दो रे
२ १ २

तार	सु रि
मध्य	नि ध नि ध पु पु गु मु
मन्द्र	

घ र आ : . वे . लं ग र
 ३ २

राग तोड़ी संपूर्ण.
 ताल द्रुत चारताल.

तार	
मध्य	सु ध पु ध नि ध पु मु गु मु मु धं पु
मन्द्र	

ना ङ ई तो त न न त न दे रे ना त
 १ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार	
मध्य	पु पु पु ध पु मु गु I गु मु ध नि ध पु
मन्द्र	

न न न दे रे ना . य ल लि य ल लि
 २ ३ २ २ १ ३ २

तार		सु सु सु
मध्य	रि गुरि रि रि सु सु	सु नि ध.
मन्द्र		

य लि य ल ल ल तो . त न ग तौ
३ २ १ ३ ० ३ २

तार		
मध्य	नि धु पु	गु गु गु गु मु मु धु धु नि नि
मन्द्र		

न न न य ल लि य ल लि य लि य ल
० १ ३ २ ३ ०

तार	सु सु	सु गुरि सु
मध्य		धु धु नि धु नि धु
मन्द्र		

ल ल त दी दी त न न न न न
० १ ३ २ ३ ० ०

तार		
मध्य	ॐ प णि ध ण म ग रि सु ॐ	
मन्द्र		णि नि

दीं त ग न न न न न धा कि
१ ३ २ ३ २ २ १

तार		
मध्य	रि रि गु गु गु गु गु मु मु धु धु	
मन्द्र	नि	

ड त क धु म कि ड त क धे सा कि ड
३ २ ३ २

तार	सु सु सु सु	सु सु सु गु रि रि
मध्य	धु धु	
मन्द्र		

न ग ति र कि ड त क धि ला ग धु
२ १ ३

तार	रि रि सु सु
मध्य	धु धु नि धु धु धु धु प
मन्द्र	

कि ड त क कि ट ता ग दि ग न धा
२ ३ २ २

राग तोड़ी संपूर्ण.
ताल क्षपताल.

तार	
मध्य	ध नि धु . ५ प प ग ग म ध प . ५ ५
मन्द्र	

दु . गं आ . द भ चा . नी
२ १ २ ३ २

तार	
मध्य	धु . ५ ध ५ नि ध प म ग रि सु . ५
मन्द्र	

तार		
मध्य	स रि गु म ध . ५ ५	स ध
मन्द्र	ध ध नि	

तु व पू . जे स व ज ग
१ २ ३ २ १

तार	स रि	
मध्य	नि नि धु . ५	म ग ग म धु . ५
मन्द्र		

मा . नी . ध सु र सं
२ ३ १ २

तार	स स स . ५ ५	स रि
मध्य	नि	ध ध नि नि
मन्द्र		

हा . र नी न प्र को . ट रा
३ २ १ २ ३

तार	स .	
मध्य	नि धु . I . ५ ५	पृ गृ गृ म ध नि
मन्द्र		

. नी .
०

फौ जे द या व .
१ २ ३ २

तार		
मध्य	धु . ५	ध नि ध म ग रि सु . ५
मन्द्र		

र

वा नी
१ २ ३

राग आसावरी संपूर्ण.

इय में आरोह में गंधार और निषाद वर्ज गंधार, धैवत और निषाद अतिकोमल, बाष्पी के सब शुद्ध स्वर

तीन ताल

तार		
मध्य	१ धु नि . नि धु प' धु सु	सु पु धु सु पु
मन्द्र		

कौ . न रि झा व न जा ये .
 ३ २ १

तार		
मध्य	ग सु रि ग ग रि रि सु सु सु . ५	
मन्द्र		धु

री अ ल वे . ली ना र च ली
 २ ३ २ ल १

तार		सु
मध्य	सु सु सु सु . ५ रि मु सु प	नि
मन्द्र	धु धु	

प क झ प क सो ने व र की झ
 २ ३ २

तार	सु ँ		स
मध्य		वृ षृ षृ पृ धु ॐ सु .	मृ षृ
मन्द्र			

न का र ष रे त्
१ २

गा ट घा
३ २

तार	सु सु	स	सु सु
मध्य	नि	मृ षृ	नि धृ धृ
मन्द्र			

ट स व वा ट प्रा ट स व रा
१ २ ३

तार	सु सु रि सु सु	गु रि गु रि सु रि
मध्य		धृ
मन्द्र		

क त टो क त जि न य र वा . .
२ १ २

तार	स	स
मध्य	नि धुं पुं पुं मुं पुं धुं नि	नि
मन्द्र		

व जा उ चु न रिया
३ २

प
६

तार	
मध्य	धुं धुं पुं पुं धुं मुं
मन्द्र	

री प्या री तू
२

राग आसावरी
ताल धमार

तार	
मध्य	स रि म प धुं . ५ धुं धुं धुं धुं प मु ५ ५
मन्द्र	

स ख री

जा

दी न

तार		
मध्य	म प धु . ५ ग ग रि स	रि गु . रि ण
मन्द्र		

त्य जे
३

फा गु न
२

या

तार		
मध्य	रि	स ५ . ५ रि म पु धु .
मन्द्र	धु ५ . ५ ध ध	

यो
३

चितको
३ २

आ र .

तार		
मध्य	प ग I रि ५ . ५ स ५ . ५	ग प
मन्द्र		

मो ता
१

२

वे
३

कु ल
१

तार	सु .	सु . I सु . ५५
मध्य	धु . ५ . ५	नि
मन्द्र		

की
०का
३

२

न

तार	सु सु रि सु रि गु I रि सु रि
मध्य	धु ^० धु ^० धु ^०
मन्द्र	

ला
१

.

न

स

व

.

त्य

ज

के

१

२

३

तार		रि
मध्य	धु ^० धु ^० पु ५ . ५	मु . पु ५ . ५ धु नि
मन्द्र		

२

मो
१

ह

न

म

२

३

तार		
मध्य	ध्रु प . १ ध्रु	सु . गु रि सु १ . ५
मन्द्र		

न ही लु भ्या . . इ
 २ १ २ ३

राग पिलावल.

एम म दो निपाद एव शुद्ध जोर दमरा अतिकोमल, अतिकामल
 निपाद के वाचन निशाना होगी बाकी के सब शुद्ध म्यर
 नाल इपताल

तार	रि सु	
मध्य	ध्रु ध्रु	ध्रु ध्रु प सु गु . ५ रि गु प
मन्द्र		

प्र य ल ही शा म थ ष दु यं
 १ २ ३ २ १ ०

तार		
मध्य	म ग रि स स सु . ५	स स ध ध ध
मन्द्र		

ल ही दे ख ज न
३ २

झ ट ही प ट
१ २

तार	सु . ५	ग ग रि सु
मध्य	नि प ध ङ नि	प
मन्द्र		

झ प ट क रे
३ २

ग ज य चा यो
१ २ ३

तार	सु . ५	सु सु
मध्य	प ध ङ नि	पु प ध ङ नि
मन्द्र		

तार	स.१	सु ग ग म ग रि
मध्य		ध नि पु. ५
मन्द्र		

को रा य लि यो गि रि ध . र
१ २ ३ २

तार	ससससु.५	रि ग
मध्य	पु ध ग प ध	
मन्द्र		

इं द्र को . मा न लि न मं .
१ २ ३ २ १

तार	रि सु	सु.५
मध्य	प प ध नि	
मन्द्र		

घ टा यो . . .
२ ३ २

इस भजन के जो अंतरे हैं वह ऊपर के अंतरे के माफक गाना

नरहरि रूप धरे वरही सब हारो ॥

दास प्रल्हाद पर योन मायो ॥ १ ॥

चक्रही दास हारी प्रेम के बस भये ॥

गोपीधर छोर के दुधपायो ॥ २ ॥

राग बिलावल.

ताल झपताल.

तार	सु सु सु	
मध्य	ध नि पु म धु प .	गुरि सु
मन्द्र		

चा रु शी ले . . प्रिये . चा रु शी
१ २ ३ २ १ २

तार		
मध्य	सु १ १	सु ध ध ध ध ध नि ध पु . ५
मन्द्र		

ले सुं च म यि मा . न म नि
३ २ १ २ ३ २

तार	
मध्य	प ध ध नि ध पु म् . ५ प ध ङ नि . ५
मन्द्र	

दा . . नं . प्रिये
१ २ ३ २

तार	सु सस	रि म
मध्य	प प प ध ङ नि नि	
मन्द्र		

व द सिय दि कौ चि द पि द त
१ २ ३ २ १ २

तार	ग रि सु रि स . १	
मध्य	ङ नि	प प ध ग
मन्द्र		

रु चि को . मु दी हर ति द
३ २ १ २

तार	स स सृ . ५	स
मध्य	प ध ङ नि	प ध ध नि
मन्द्र		

र ति मि र ग ति धो . . .
 ३ २ १ २

तार		
मध्य	धृ णु गृ मृ प ध ङ नि . ५	
मन्द्र		

र . . . प्रि ये
 ३ २

राग बिलावल.
 ताल चारताल

तार	स स
मध्य	पु धु ङ नि . ५ ध नि णु . ५ ध
मन्द्र	

तृ हि . आ द ना . द ध
 २ १ ३ ३ ३

तार		
मध्य	ॐ नि ध प म पु . ५	ग म रि . ५ ग
मन्द्र		

स्य वि . णू
२ २

तू
१ ३

दि

तार		
मध्य	स प म ग रि . ५ स रि सु . ५	सु ५ . ५
मन्द्र		

. म हा .
२ ३ २

दे . व
२

तू
१ ३

तार		रि . ५	सु
मध्य	ग प प पु ५ . ५ ध ॐ नि		
मन्द्र			

हि . शु रु
२ ३ २

तू हि
२

वे
१

तार	
मध्य	ध नि पु - नि ध प म रि गु . पु धू .
मन्द्र	

३ २ ३ २ २

तार		स स सु
मध्य	फ नि . ५	ग प ध फ नि धू .
मन्द्र		

१ ३ २ ३

तार	स रि स सु . ५	स गु रि ग म गु रि
मध्य		
मन्द्र		

२ २ १ ३ २

तार	गु रि स रि सु १ १	
मध्य		ध नि ध प . १ ग
मन्द्र		

. . च . ला क र व
३ २ २ १ ३ २

तार		रि स
मध्य	प ध नि ध प . १	ध ङ नि ध
मन्द्र		

ही आ . क र आ . के
३ २ ० १ ३ ०

तार		
मध्य	नि पु ङ नि ध प म रि गु ५	
मन्द्र		

. . प ला .
३ ०

राग सिंदोरा संपूर्ण.

इस राग में गंधार अतिशामक, निषाद दो एक शुद्ध और दूसरा अतिशोभक शुद्ध निषाद के त्रिथ निशानी होभी बाकी के सब शुद्ध स्वर ताल धमार.

तार	गु . रि सु . १ रि	
मध्य		ध नि . ध प गु . सु
मन्द्र		
	आ व त है	घी ज ना र
	१ २ ३	२ १

तार		
मध्य	पु गु गु रि गु सु १	सु सु सु सु . १ रि
मन्द्र		
	खे ल न को .	श शी ध द नी
	२ ३ २	१ २ ३

तार		सु . रि
मध्य	सु पु ध ध	नि ध नि प स प
मन्द्र		

• श्रु ग नै • नी • स ज
२ १ २ ३ २

तार	सु . ५	सु . स
मध्य	० नि	सु . पु पु ० नि
मन्द्र		

स ज के श री या •
१ २ ३ २

तार	सु रि	गु . रि सु स रि
मध्य		नि धु नि प
मन्द्र		

शी र ची र व सं • ती • •
१ २ ३ २

तार		सु. रि
मध्य	गु. रि सु. १ रि सु पु ध ध	नि
मन्द्र		
	कु ल न गो हे ला . यी वे .	
	१ २ ३ २ १ २	

तार		सु
मध्य	ध नि प म प ष नि	
मन्द्र		

नी . . स ज म ज
३ २

राग सुवासुधराई.

इस राग में गधार कोमल, धैवत दो एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल, निपाद दो एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल अतिकोमल धैवत और शुद्ध निपाद के वास्ते निशानी होगी, बाकी के सब शुद्ध स्वर

तीनताल

तार	स
मध्य	ग० म० ध० ङ० नि० धु० नि० पु० म० पु० ग० म० रि० सु०
मन्द्र	

तार	
मध्य	स० नि० पु० ऽ० नि० नि० पु० म० पु० म० रि० सु०
मन्द्र	

व ल्मा रे चू . न री या . मै .
 १ २ . ३ २

तार			
मध्य	रि० ऽ०	गु० रि० सु० रि० सु०	१० ऽ० १
मन्द्र			

के ला ल रं गा दे
 १ २ ३ २ १

तार		
मध्य	सु रि सु मु पु पु पु पु पु . ५	सु पु
मन्द्र	० नि	
जै सि तो . रो प गिया वै सो मो . २ ३ २ १		

तार		
मध्य	नि नि मु पु नि नि पु मु पु मु रि सु सु . ५	
मन्द्र		
रो . रे . चू . न रिया . मै . के २ ३ २		

तार		
मध्य	गु . रि सु रि . सु	१ मु मु मु पु ५ ध
मन्द्र		
ला ल रं गा दे र ग रं गे ली १ २ ३ २ १ २		

तार	सु सु सु सु सु सु . ५	म
मध्य	० नि ० नि	
मन्द्र		

आ र च ट फे ली मा इ भो
 ३ २ १

तार	मृ रि सु सु सु सु
मध्य	० नि नि षु . मु षु मृ रि सु
मन्द्र	

. र मं गा दे षु . न रि म .
 २ ३ २

तार	
मध्य	रि . ५ / मृ . रि सु रि . नु . ५
मन्द्र	

ष गा म वं गा दे
 १ २ ३ २

(५८)

राग सुवासुधराई.
तीनताल

तार	
मध्य	सु नि षु षु धु धु म षु गं गं ग म षु
मन्द्र	

दी ई त ना दे रे दा नि त न दे रे .
१ २ ३ २ १

तार	
मध्य	गु I ५ ५ रि सु रि म सु रि सु १
मन्द्र	ॐ नि .

ना त दि य ना रे ता
२ ३ २ १ २ ३ २

तार	
मध्य	सु ५ गु गु म सु रि रि सु रि
मन्द्र	ॐ नि

तार				
मध्य	स	स		स. १
मन्द्र		नि	५ ध ५ ध म प	

म त वे नो दे रे ना
१ २ ३ २

तार				स. सु म स
मध्य	१ गु म सु	५ ध	० नि	
मन्द्र				

य ल लि य ली या ल लाले
१ २ ३ २

तार		सु सु सु गु गु म सु सु		रि
मध्य	१ नि			० नि
मन्द्र				

य ल लि य ली या . ल लाले
१ २ ३ २

तार	सु	सु	सु
मध्य		नि	नि प नि प पु म पु म
मन्द्र			

या . आ ल ला ले . या . आ ल
 १ २ ३

तार		रि
मध्य	स म	ग म प ग रि स . ५ सु सु
मन्द्र		

ला ले य ल ल म य ला य ला .
 २ १ २ ३ २

तार	रि ग सु स सु सु सु सु
मध्य	नि गु गु
मन्द्र	

दी भ त ना दे रे दा . नी त न
 १ २ ३ २

(६१)

राग भैरवी संपूर्ण.

इस में ऋषभ, गंधार, धैवत, निषाद, आतिकोमल. मध्यम शुद्ध.
तीनताल

तार		स रि
मध्य	नि नि धु धु प प ग म्	धु . नि
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	सु	स
मध्य	नि नि धु धु प प ग म्	धु . नि
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	स ग स म् ग	१ सु
मध्य	धु नि	नि धु प
मन्द्र		

३ २ १ २

तार		ग	रि	ग	रि
मध्य	मृ	गृ	गृ	मृ	गृ
मन्द्र					

३ २ १ २

तार	रि	रि			ग
मध्य	नि	नि	धृ	धृ	पृ
मन्द्र					

३ २ १ २

तार	मृ	गृ	मृ	पृ	मृ	गृ	रि	सृ	रि	रि	सृ	रि	सृ
मध्य													
मन्द्र													

३ २ १ २

तार		स	सु
मध्य	गु म् गु म् धु नि		नि नि धु म्
मन्द्र			
	३	२	१ २

तार	सु सु	
मध्य	धु नि	नि नि नि धु धु धु पु पु
मन्द्र		
	३	२ १

तार		
मध्य	पु म् मु म् गु म् गु रि रि सु १	सु
मन्द्र		ने
	२	३ २ १

तार	सु सु ग म
मध्य	ग म प ग म ध नि नि
मन्द्र	

२

३

२

तार	प म ग रि स रि स
मध्य	
मन्द्र	

१

२

भैरवी छायालगत्व.

इस राग में ऋषभ दो एक शुद्ध और दुसरा आतकोमल गंधार, धैरत और निषाद अतकोमल शुद्ध ऋषभ के वाक्ते निगानी हागी

इत चारताल

तार	
मध्य	सु पु धु पु मु ऋ रि गु म् रि रि गु रि सु
मन्द्र	

सुं . . . द र स य . प जा के
१ . . . ३ . . . २ ३ २ २

तार	
मध्य	सु सु रि सु ५ ५ सु
मन्द्र	धु धु म् धु नि

सुं . द र सीं धा र की नो सुं
१ ३ २ ३ २ २ १

तार	
मध्य	सु सु धु प पु धु पु गु म् लु पु धु नि धु
मन्द्र	

द र . न घे . ली जो . पी या . की प्रा
३ ३ ३ ३ ३ ३ ३

तार		
मध्य	पु सु गु सु पु सु गु सु	धु धु सु धु नि
मन्द्र		

२ न प्या ३ २ री २ पू १ ज ती ३ २

तार	सु सु सु सु सु सु	५ ५	सु सु सु
मध्य		नि	धु धु
मन्द्र			

म हा दे २ २ व २ सी ला पा ३ २ र २

तार	रि रि रि सु	
मध्य		धु धु धु पु पु पु पु पु पु
मन्द्र		

सु ३ २ ची मा २ न २ र ह स र ह ३ २

तार		
मध्य	पु धु नि धु पु गू ङु मु	पु धु नि धु पु
मन्द्र		
<p>स गा . . . व त दा . उ फ .</p> <p>३ २ २ १ ३ २</p>		

तार		
मध्य	मु गू मु पु मु गू सु	
मन्द्र		
<p>र ता . र .</p> <p>३ २ २</p>		

राग छायालगत्य भैरथी संपूर्ण.
ताल तेवरा

तार		
मध्य	सु धु पु पु पु पु	धु नि धु म धु पु मु
मन्द्र		
<p>ध . न्य दी न द या . ल व . .</p> <p>१ ३ ३ ३ १ ३ ३ . .</p>		

तार		सु	
मध्य	ग स	प ध	नि ध प स ग
मन्द्र			

प्र भु ध . न्य . तू . ज ग दी
२ १ ३ २ २ १

तार		
मध्य	० रि स ० रि ग स प . ०	पृ पृ पृ
मन्द्र		

. श्व रा . . . ध न्य य
३ २ २ १३ २

तार			सु
मध्य	प . ०	ध नि धु पु ग स . ०	प ध
मन्द्र			

ह रु पा है . ते री ध . न्य
२ १ ३ २ २ . .

तार		
मध्य	नि ध पु षु ग म	गुरि स० रि सु . १०
मन्द्र		

• तू . . प र मे . . श्व रा
२ ० १ ३ २२

तार		सु ससस	सु स
मध्य	धृ म धृ नि		नि
मन्द्र			

ध न्य द या दी न प र दा ता तू
१३ २ २ १३ २ २ १३

तार	सु रि	रि रि रि सु
मध्य		नि धु ध प . १ पु प
मन्द्र		

ही सं सा . . र दा . . ध न्य
२ २ १ ३ २ २ १३

तार		सु
मध्य	प प प . १ नि धु ध प ग् म्	प ध नि ध
मन्द्र		
	क रु णा लि धु स्वा मी जो की . से	
	२ २ १ ३ २ २ १ ३ २	

तार	
मध्य	प म् म ग् म् धु प् म् ग् रि सु सु १
मन्द्र	नि
	. न वी शा . र दा
	२ १ ३ २ २

इस भजन के जा अतरे है वह ऊपर के अतरे के माफक गाना
 धन्य महिमा अक्य तेरी अंत कोई न पावदा ॥
 द्वार के पीछे रह जाव फथननू जो धावदा ॥ १ ॥
 जीव सब संसार दे गिनती न आसी जावदी ॥
 अन्न पाणि दान करदा होर सब मन भावदी ॥ २ ॥
 तेरी महिमा तूही जाने होर तें बडियाहया ॥
 क्षुद्र जंतु आखे सोइ मन बिले जो आहया ॥ ३ ॥

शौंगी वाट पहाड दी ज्यों चढ सके है पपीलिका ॥
 अंधा चाहे चंद्र घेसां मुशक गज डीलका ॥ ४ ॥
 भौक बैल न बन सके पिंगल उलंघे मेरु क्यों ॥
 गूका पत्ता होवे नाहीं रागी ज्यों कर गुंग हो ॥ ५ ॥
 होय कायर रोत मागे रचे ग्रंथ न वापला ॥
 कदा क्यों कर गुण मै तेरे बुद्धी हीन उतापला ॥ ६ ॥
 हाथ जोट नवाए मस्तक चरण बंधन कीजिये ॥
 धन्य प्रभु महिमा तेरी जिस रटे सुग भीजिय ॥ ७ ॥
 सबही पून कपून तेरे अंत तैनु लाज है ॥
 नाम धन प्रभु दान कीजे सोई हमरे काज है ॥ ८ ॥

राग सारंग ओढव.

इस में गंधार और धैवत वर्ज, निपाद दो एक शुद्ध और दुमरा अति-
 कोमल, अतिरौमल निपाद के वास्ते निशानी होगी. बाकी के सब
 शुद्ध स्वर लभते है
 ताल झपताल

तार	<u>स</u> <u>स</u> <u>स</u>	
मध्य	<u>नि</u> <u>नि</u>	४ <u>नि</u> <u>प</u> <u>पु</u> <u>मृ</u> <u>रि</u> <u>रि</u>
मन्द्र		
	म धु म ष न	म न फ . रो प्र
	१ २	३ २ १

तार		
मध्य	म प म रि रिसु .	मु मु म्प ५ नि
मन्द्र		

भु से . वू . म सा ची क ही ये
 २ ३ २ १ २ ३ २

तार		स रिसु .
मध्य	प प म प नि	५ नि प नि
मन्द्र		

. . को न . नी भा . वे
 १ २ ३ २

तार	सु . ५	सु सु सु
मध्य		म म्प ५ लि पु नि
मन्द्र		

. . ज प को . की ला कू क
 १ २ ३ २

तार	स स रि स .	
मध्य	नि	५ नि प ५ नि प
मन्द्र		

७ ४ च ६ ७ ८

१

२

३

२

२

तार	रि रि रि प रि रि सु सु . ५	
मध्य	स प नि	
मन्द्र		

७ त ल मा . द र ७ ७

१

२

३

२

१

२

तार	स रि स .	सु . ५
मध्य	५ नि प नि	
मन्द्र		

. र मा . ७ . .

३

२

राग गौड सारंग.



इस राग में दो मध्यम एक शुद्ध और दुसरा तीव्रतम, तीव्रतम मध्यम
के वास्ते निशानी होगी बाकी के सब शुद्ध स्वर

ताल द्रुत चारताल

तार		
मध्य	म० ग० ध० प० ध० ङ० म० प० ग० म० रि० म०	ग०
मन्द्र		
	त ना त नों	त न दे रे ना त द
	१ ३ २	३ २ २ १

तार		
मध्य	म० रि० सु० रि०	रि० सु० सु० ग० रि०
मन्द्र		नि० नि०
	रे दा नि त दा	नी द र दी
	३ २ ३	२ २ २

तार	सु सुसुसु	सु
मध्य	सु सुपुपु धु	धुनि
मन्द्र		
	ना ड्रे ड्रे तुं ड्रे ड्रे . द र्द तौ	त न नि
	१ ३ २ ३ २ २	१ ३

तार	रि सु	सु सु
मध्य	नि धु पु सु सुपुपु	नि
मन्द्र		
	त दा रे दा नी द र्द र्द र्द	तौ त न
	२ ३ २ २ २	१ ३

तार		
मध्य	धु पु सु पु सु गु सु रि	गु सु रि
मन्द्र		नि
	न न न न नि ता . रे	ता रे दा
	२ ३ २ २ २	१ ३ २

तार		
मध्य	रि स	सु ग रि
मन्द्र		नि

. नी द र र्वा .
३ २ २

राग भीमपलासी.

इस राग में आरोह में ऋषभ और धैवत वर्ज. गंधार और निषाद अतिकोमल, यात्री के सब शुद्ध स्वर.

तीनताल.

तार		
मध्य	सु सु ग ग सु सु	गु सु पु नि
मन्द्र	नि नि	

सा डे ना ल या . म नी या . . .
३ २ १

तार	सु रि सु	
मध्य	पु नि	नि पु सु गु ५ गु गु
मन्द्र		
०	३	१
	दि ल भ रि या	स ज

तार		
मध्य	सु पु नि धु पु सु गु गु	सु सु गु
मन्द्र		नि नि
	२	३
	न म न र म या	सा डे ना ल वा

तार		
मध्य	गु सु सु	पु पु पु पु पु पु सु गु सु पु
मन्द्र		
	१	३
	म नी	ल ट क ल ट क

तार	सु सु . ५	
मध्य	नि नि नि	नि नि नि नि
मन्द्र		

न दि लां दी
२

ह स ह स
१

तार	सु रि सु	
मध्य	नि नि	नि पु मु गु ५ गु गु
मन्द्र		

मु ख व त ला
२ ३

व नि या स ज
२ १

तार		
मध्य	सु पु नि धु पु मु गु गु	
मन्द्र		

न म न र म या . .
२

राग भीमपलासी.
ताल चारताल (ध्रुपद)

तार	
मध्य	प नि . पु प म ग . पु म . प . प . १
मन्द्र	
	<p>ये . . स पो . . नं द २ २ १ ३ २</p>

तार	
मध्य	स प . १ धु प . धु प . म म . ५ प
मन्द्र	
	<p>कु व र . वा . ल प ३ २ २ १</p>

तार	
मध्य	नि ध प . १ पु धु म . पु ग . मु ग . पु
मन्द्र	
	<p>न मे . से रो . म . म २ २ ३ ३</p>

तार		
मध्य	मृ . पु . ५	पृ गृ ङि मृ गृ रि सृ . १ पृ
मन्द्र		

हृ र . . ली . नो ये
१ ३ २ ३

तार		
मध्य	नि . पु पृ मु गृ . पु मु .	पु पृ मु गृ .
मन्द्र		

. . सयी . . . जी ये हो .
२ २ १ ३

तार	सु	सु	सुसु . ५
मध्य	सु सु पृ	नि . नि	नि .
मन्द्र			

. फला . . स मे . . रो
२ ३ २ २

तार	सु ११	स म गुरि स स
मध्य	नि	नि ध पु . ५
मन्द्र		

ने न न . सो नी . . र जा य
१ ३ २ ३ २ २

तार	सु	स
मध्य	पु . सु ग . सु . ५	ग म प नि . नि
मन्द्र		

मे रे . . नी या को दृ .
१ ३ २ ३ २ २

तार	रि . ५	रि स
मध्य		नि ध पु . १ प
मन्द्र		

ख दृ की जो ये
१ २ ३

तार		
मध्य	नि . पु प मु गु . पु मु .	पु प मु गु .
मन्द्र		

स खी . सा व रो
२ २ १ ३

तार		
मध्य	म म पु प धु मु . प पु . य	पु म प
मन्द्र		

स लो न का न वा ट रो
२ ३ २ २ १ ३

तार	सु	सु रि सु सु
मध्य	नि . नि नि	नि धु पु . य
मन्द्र		

क ठा डो . भ यो .
२ ३ २ २

तार	
मध्य	प ग् ग म् प मु गु . I म् ग रि सु . ५
मन्द्र	

मो हे तो पु ला . वे गा . ये
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	स मु गु . म् प . १ प् प् धु मु . प
मन्द्र	नि

अ ध र . न को र स ली .
१ ३ २ ३ २ २

तार		सु
मध्य	पु . ५	प प् मु गु . म् म् प नि .
मन्द्र		

नो नि न मा . पु ला .
१ ३ २ ३

तार	सु सु . ५	स . १	स
मध्य	नि नि	नि	नि
मन्द्र			

ये औ र सु ख सो
२ २ १ ३ २

तार	सु गु रि सु सु	
मध्य	नि ध पु . ५	पु पु मु
मन्द्र		

बु ला ये गा . ये वा सु री
३ २ २ १ ३

तार	सु	सु रि . ५
मध्य	गु . सु सु प	नि . नि नि
मन्द्र		

ब जा ये क छ
२ ३ २ २

तार	रि स रि स
मध्य	नि ध प . १ प नि . पु प
मन्द्र	
	जा दू फी . नो ये . स
	१ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	सु गु . पु सु .	
मन्द्र		
	री . .	
	२	

राग सुलतानी.

इस राग में ऋषभ और धैवत अतिक्रमल, गधार क्रोमठ, मध्यम तीव्रतम, निषाद तीव्र, आरोह में ऋषभ और धैवत वर्ज

धालाप

तार	सु
मध्य	सु ग सु प नि नि धु पु सु ग रि सु
मन्द्र	नि

तीनताल.

तार		
मध्य	सु ग सु ग रि सु रि	सु सु ग १
मन्द्र	नि	

वा ज त व धा इ व र सा ने .
 ३ २ १ २

तार	सु
मध्य	ग सु प पु नि नि नि धु धु सु पु
मन्द्र	

मं . सु न क र आ इ
 ३ २

तार		
मध्य	म० पु० धु० धु० मु० मु० गु० मु० पु० पु०	पु० पु० पु० पु०
मन्द्र		

अ प ने का

न आ ज न र नारी

१

२

३

४

तार		स० स० १ सु० गु०
मध्य	धु० मु० पु० गु० मु०	प० नि० नि०
मन्द्र		

. न . मिल

म ग ल

गा धो

स द

१

२

३

तार	गु० रि० सु०	
मध्य	नि० धु० पु०	म० पु० धु० धु० मु० मु० गु०
मन्द्र		

न न न न न न

द र स ध्या . . .

२

१

२

तार		
मध्य	ग॒ रि॒	सु॒.५
मन्द्र	नि॒	

नो
२

धा धा कि ड रि ड धुं
१ २

तार		सु॒ सु॒ रि॒
मध्य	मु॒ मु॒ गु॒ गु॒ मु॒ मु॒ पु॒ नि॒ नि॒	नि॒
मन्द्र		

कि ड कि ड रि ड प र न सु र न धा
३ २

तार	सु॒	
मध्य	नि॒ धु॒ पु॒ धु॒ सु॒ सु॒ गु॒ नु॒ पु॒ पु॒	
मन्द्र		

जे नो य द फा . . न आ ज
१ २

राग पिल्लु संकीर्ण.

इस में दो ऋषभ, दो गंधार एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल,
धैवत अतिकोमल अतिकोमल ऋषभ और शुद्ध गंधार के वास्ते
निशानी होगी, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

तीनताल.

तार	सु गुरु	सु . १
मध्य	१ पु नि	नि नि ध
मन्द्र		

का ना ने . . ऐ सी रे .
३ २ १ २

तार	सु	गु गु गु गु	गु सु
मध्य	नि	नि ध पु I.	
मन्द्र			

. . . या . ऐ सी तो य जा .
३ २ १

तार	रि गु रि	सु १	सु ५ रि ५ रि
मध्य		नि	नि नि
मन्द्र			

. . . इ . सु ध वि सु रा
२ ३ २

तार	सु	स	१ सु ङ गु म
मध्य	नि	ध	नि धु पु
मन्द्र			

. . इ . या . धा ज त
१ २ ३

तार	प पु पु	१ सु ङ गु ङ गु म ङ गु म पु
मध्य		
मन्द्र		

दा म री भे रि दि या . . .
२ १ २

तार	गु रि सु . १ गु गु गु गु मु रि गु रि सु
मध्य	नि
मन्द्र	

. नी . सु च त ना ही .
 ३ २

तार	सु ५ रि रि सु सु
मध्य	नि धु धु पु . ५
मन्द्र	

क छु फा . . ज . या .
 १ २

राग काफी संपूर्ण.

इस राग में गंधार अतिक्रमल, निपाद दो एक शुद्ध और दूसरा अतिक्रमल, शुद्ध निपाद के वास्ते निशानी होगी।
 बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते हैं।

तीनताल.

तार	स
मध्य	सु पु नि ध नि पु म ग रि सु रि
मन्द्र	

१ २ ३ ४

तार	
मध्य	रि रि ग रि ग म ग रि सु रि सु
मन्द्र	नि

१ २ ३ ४

तार	
मध्य	सु रि ग म पु ग म पु ध म पु ध नि
मन्द्र	

१ २ ३

तार	सु	सु रि	सु रि
मध्य	पु धु नि	धु नि	नि
मन्द्र			

२

१

२

तार	गु रि सु	सु
मध्य	नि धु नि पु	सु सु पु धु
मन्द्र		

३

२

१

२

तार	सु	सु रि गु सु गु	रि सु पु
मध्य	नि	धु नि	
मन्द्र			

३

२

१

तार	मृ गृ रि मृ गृ रि सु
मध्य	नि धु नि प धु . ५
मन्द्र	

२

३

२

राग गौडमल्हार.
 इस राग में सत्र शुद्ध स्वर लगते हैं.
 तीनताल.

तार		
मध्य	गृ मृ रि मृ गृ रि सु	रि गृ मृ पृ मृ गृ
मन्द्र		

धा . इ य द रि या सा . घ न फी .
 ३ २ १ २

तार		सु
मध्य	रि पृ पृ पृ मृ पृ	धु नि धु पृ मृ गृ
मन्द्र		

सा घ न फी म न भा . . घ न फी .

तार		सु	
मध्य	म० पु०	धु० नि०	धु० पु० म० गु० म० पु०
मन्द्र			

घ र आ . . घ न की . झु की
 १ २

राग मालव, पाडव.

इस राग म ऋषभ, धैवत कामल, मध्यम तीव्रतम पचम वर्ज वाकी के सब शब्द स्वर लगते हैं (तीनताल)

तार			
मध्य	धु० म०	धु० गु० म० धु० म० गु० रि०	रि०
मन्द्र			नि० नि० धु०
	१	२	३ २

तार			
मध्य		सु० रि० गु०	रि० गु० म० धु० गु० नि०
मन्द्र	म० धु०	नि०	नि०

तार	रि	
मध्य	धु नि म	धु नि म नि धु म गु म गु
मन्द्र		

२

१

२

३

तार		सु रि
मध्य	रि गु म गु रि रि	गु म धु नि नि
मन्द्र	नि	

२

१

२

३

तार	गु म गु रि गु रि रि	
मध्य	नि नि धु नि धु म गु रि . १	
मन्द्र		

२

१

२

३

२

तार	रि
मध्य	रि ग म ध नि ध म ग रि ग ग ०
मन्द्र	ध नि
	१ २ ३ ४

तार	म ग रि ग म ग रि
मध्य	नि ध म ग रि रि ५
मन्द्र	नि
	१ २ ३ ४

राग पृथी.

इस में ऋषभ और धैवत अनिकोमल, मध्यम दो एक शुद्ध और दूसरा तीव्रतर, शुद्ध मध्यम के वास्ते निशाना होगा. बाकी के सब शुद्ध स्वर लगने ह तीनताल.

तार	
मध्य	ग ग म म ग रि ग म पु ध पु म ग
मन्द्र	
	ह री य . म . फा . म य सु य दी ३ २ ६ २

तार		
मध्य	ॐ मृ गृ . ५ मृ गृ रि सृ सृ सृ	रि गृ
मन्द्र		नि

ना ३ दू ध पू त ओ र ३ अ न ध १

तार			रि
मध्य	रि सृ सृ सृ	रि गृ मृ धृ	नि
मन्द्र		नि नि	

न ल छु मी क्रि र पा यो गो . २ ३ २ १ वी द १

तार	सु	
मध्य	नि धृ पु म पु धृ पु	गृ गृ गृ गृ मृ
मन्द्र		

. र ग दी ना २ . अ ग म अ पा ३ २

तार		सु सु सु सु सु सु रि गु गु रि सु
मध्य	धु धु	
मन्द्र		

र न ज ग नी स्तार न कृ पा कर न डु
१ २ ३ ४

तार		रि
मध्य	नि	नि धु नि धु मु मु गु गु गु गु मु
मन्द्र		

ग ह र न सु ग म द न स य था त
१ २ ३ ४

तार	सु	रि सु
मध्य	धु नि	नि धु पु पु धु मु पु
मन्द्र		

न मो . ला य क र्णी . ना . . .
१ २

(१०२)

राग श्रीराग.

इस राग में ऋषभ और धैवत अतिकोमल, मध्यम तीव्रतम, निषाद तीव्र, वाका के सब शुद्ध स्वर

ताल (अभिनदा) सुरफाक्ता.

तार	सु	
मध्य	नि नि ध स प ध प	म ध म ग रि रि रि
मन्द्र		

गौ री अ र धं . . ग ना . च त सों . .
१ ३ २ २ ३ १ ३ २ २

तार		
मध्य	रि रि स प प प रि रि रि रि रि स	म ध नि
मन्द्र		

गी . त शं फ र श्री पु र द्वा . र श्री शु
३ १ ३ २ २ ३ १ ३

तार	स रि रि स	स स	रि ग रि स
मध्य		नि	नि
मन्द्र			

ल ड म रु ना . ग व्या घ्रां . व र
२ २ ३ १ ३ २

तार	स	
मध्य	नि	नि ध प प प प म प ध ध ध प
मन्द्र		

ओ . व र ग ज ख र मा . . . स्वर
२ ३ १ ३ २ २ ३

तार	
मध्य	प प म ध म ग रि रि स स
मन्द्र	

प री धा . . . न फ र
१ ३ २ २ ३

(१०४)

राग शंकरा कल्याण.

इस राग में मध्यम तीव्रतर, बाकी के सब शुद्ध स्वर

ताल जुमरा मात्रा १४.

तार	सु	रि सु
मध्य	नि धु . नि धु नि	नि धु नि . ५
मन्द्र		

आ द मा . हा

२

तार	सु	.
मध्य	धु सु पु . इ पु नि धु	नि धु सु पु . ग
मन्द्र		

दे य री . . न

१

२

३

(१०५)

तार		
मध्य	गु गु रि प गु . ५ पु गु षु ५ . ५	गु रि
मन्द्र		
	य जा . . ई पा . ई न्या . २ १	

तार		
मध्य	सु सु ५ . ५ रि गु रि सु सु . ५	
मन्द्र		नि नि
	म त का . . . न पी २ ३	

तार		
मध्य	रि स . १ सु सु गु गु	षु षु
मन्द्र	धु . णु	
	या . . न दा र ग क र २ १	

तार	सु रि सु	सु I Y
मध्य	नि धु . नि	नि धु नि
मन्द्र		

क . र म दी खा ई . . .
२ ३

तार	स	रि सु
मध्य	पु . Y	नि धु . नि धु नि
मन्द्र		

. आ द
२

तार		
मध्य	नि धु नि . Y	धु सु पु . गु . Y T पु
मन्द्र		

मा . हा दे . . य स
१ २

तार	स स स स स रि सु सु . ५ सु
मध्य	नि धु .
मन्द्र	

प्ल . . सू र न की . सु र सु
३ २

तार	सु गु गु	गु गु पु गु . पु पु गु . पु ग रि
मध्य		
मन्द्र		

र . की म प्ल ता . . न म न
१ २ ३

तार	स स सु . ५ सु	सु . सु स रि
मध्य		नि धु
मन्द्र		

रं ग नं उ म . प्ला म प ट
२ १

(१०८)

तार	गुरुसुरि सु ५
मध्य	नि नि नि धु मु पु ५
मन्द्र	

ता . न ले
२

तार	सु . १
मध्य	१ प धु पु . ग ग प प नि धु .
मन्द्र	

स व गु णी य न को
३ २

तार	सुरिसु सु १५
मध्य	नि धु नि पु . ५
मन्द्र	

स म क्षा ३
२ ३

संगीत शिक्षणका क्रामिक पुस्तक.

इस विद्यालय में पं० विष्णु दिगंबरजीने संगीत विधापर आज तक जों किताब तयार कि हैं उनके नाम और किंमत.

	भाग	रु	आ	
महिला संगीत हिंदी.	१	०	२	०
महिला संगीत हिंदी.	२	०	४	०
संगीत तत्त्वदर्शक.	१	०	८	०
अंकित अलंकार.	१	०	८	०
संगीत बाल प्रकाश हिंदी और उर्दू.	१३	२	४	०
स्वरपालाप गायन.	१४	५	०	०
संगीत चालचोध हिंदी ओर उर्दू.	१	१	८	०
” ” द्वितीय भाग.	२	१	०	०
राग प्रवेश	११४	१२	८	०
व्यायामके साथ संगीत	१२	१	०	०
संगीत प्रथम भाग हिंदी		२	०	०
” द्वितीय.		३	०	०
राग भैरव		२	०	०
राग मालकंस		२	०	०
राग भूपाली		२	०	०
मृदंग और तयलैकी पुस्तक.		१	०	०
सतारकी पुस्तक.	१२	३	८	०
नारदीय शिक्षा भाषा टीका समेत.		१	०	०
भजनामृत लहरी.	१५	२	८	०
राम नामावली.		०	२	०

इसके सिवाय धीयुत सुसुधनकर हत पद्यावलिया मिलेगी

मैनेजर

गाधर्व महा विद्यालय.

प्रस्ताविका.



“राग प्रणय” यह पुस्तक बनानेका मुख्य उद्देश यह है कि
 विनयो थोडा बहोन मरना आर तालका ज्ञान हुआ हो उनके
 लिए किसी रागके गीतपर किसम किसमके तान आलाप तथा
 बोलतान लेनेमें सुगमता होवे इस लिए इस पुस्तकको प्रकाशित
 करना शुरु किया है. यह पुस्तक अनेक भागोंमें पूर्ण होगा. उन
 भागोंकी संख्या अभी निश्चित नहीं कर सके है इसके सब भाग
 यदि कठ हो जावे तो लगभग प्रचारके राग रागिणियोंका आलाप
 तान सहीत गाना सव्य होगा. इसके नामसेही प्रतीत होता है
 कि यह पुस्तक हर एक रागके विस्तारके क्रमका प्रकाशक है

इस प्रथम भागमें केवल जैनिनी कश्यण रागमें एक गीत
 तीन तालका प्रकाशित किया है और इसमें “ छानित स्फुरित.
 आरोलित, त्रिभिन, गट्टदित ” इत्यादि गमक सिंगी है. इस
 लिए निवेदन है कि जिस किसीको गाना बचाना शिप्रतासे साथ
 करना हो, तो उसके लिए यह पुस्तक एक बहोत उपयोगी वस्तु
 होगी परंतु समझनेके लिए पहिले हमारे यद्दारे अफन रीतिके
 (नोटेशन सिस्टमको) अच्छी रीतिसे समझना चाहिए

गिरगांव सँडहस्टरोड, मुंबई.



ह्या विद्यालयात गायनवादन (तबला, हार्मोनियम, दिल सतार वगैरे) शिक्षविण्याची सोय उत्तम प्रकारची केली ; शिक्षविण्याच्या वेळां दररोज सकाळीं (स्टँ टा) ७ ते आणि सायंकाळीं ६ ते रात्री १० पर्यंत याप्रमाणे ठेविल्या ३

य शिष्ये कुलीन स्त्रिया व मुलींसाठीं सकाळीं ७ ते व दुपारी ३ ते संध्याकाळीं ६ पर्यंत वेळ ठेविली असून ; शिक्षविण्यास स्वास लेडी टीचर ठेविली आहे.

गायन वादनाचे जलसे ---प्रत्येक शनिवारी रात्री वाजता व रविवारी सकाळीं ९॥ वाजना (स्टँ. टा.) होत असत

पुस्तकें- -आमचें विद्यालयात ग.यन व दनाची पुस्तकें वि मिळतात.

वाचें---आमचे कारखान्यात सर्व प्रकारची वाचें नवीन त होतात व जुनी वाचें दुरस्त केलीं जातात.

भनेजर - गां. म. विद्यालय-मुंबई.

राग जैमिनी कल्याण.



इसमें केवल दो मध्यम लगते हैं एक शुद्ध दूसरा तीव्र, शुद्ध मध्यमके चाम्ते निशानी होगी.

आलाप.

तार	सु
मध्य	रिं गं मं धुं निं निं निं भुं सुं पुं र्ं रिं
मन्द्र	निं

ता . न न न त त र न री . . ट

तार		
मध्य	सु १	रि . ५
मन्द्र	धुं निं	

ना व म त .

तार	सु सु सु सु सु रि सु सु
मध्य	पु धु धृ नि
मन्द्र	
र स म ज्ञे न ही स म ज्ञ त वा . ३ २ १	

तार	सु सु
मध्य	धु धृ नि धु पु पु . सु गु रि गु ५
मन्द्र	
र वे र को . न क हे . ए क धे २ ३ ० १	

तार	
मध्य	रि सु रि स सु सु रि
मन्द्र	नि धु नि धु नि
र क हे दी नी को . न क हे ग द २ ३ २	

तार		
मध्य	गु गु गु रि	
मन्द्र		

बा र बा र
१ २

तार		
मध्य	सु रि गु ष रि गु रि म् ५	गु र
मन्द्र	नि	

अ व गु न न की . जी ये गु न
३ २ १

तार		
मध्य	रि गु रि ५ सु रि गु ष रि गु रि	
मन्द्र	नि	

स . न अ व गु न न की . जी
३ ३ २

तार		
मध्य	सु०५	सुरिगुपुुरिगुरि०५ सुरि
मन्द्र		नि

ये गु नी . . स . न अ व गु
१ २ ३

तार	.	
मध्य	गुपुुरिगुरिसु०५	निधुसुपुुरिगु
मन्द्र		

न न की . जी ये गु नी . . स
२ १ २*

तार		
ध्रम	रि०५	सुरिगुपुुरिगुरिसु०५
मन्द्र	नि	

न अ व गु न न की . जी ये
३ ३

तार	सु सुसुसुसुसुसुसु
मध्य	गु गु प पु धु
मन्द्र	

व डी वे र स म क्षे न ही समक्ष त
 १ २ ३ २

तार	सु सुसुसुसु	
मध्य	गु गु प पु धु	गु गु प
मन्द्र		

व डी वे र स म क्षे न ही व डी वे
 १ २ ३ २ १ २

तार	सु सुसुसु	सु सु
मध्य	पु धु	नि गु गु प पु धु
मन्द्र		

र स म क्षे न ही व डी वे र स म क्षे

तार		
मध्य	स्र०५	स्रु रि गु पृ रि गृ रि०५ स्रु रि
मन्द्र		नि

ये गु नी . . स . न अ व गु
१ २ . ३

तार		
मध्य	गृ पृ रि गृ रि स्रु०५	नि धु सु पृ रि गृ
मन्द्र		

न न की . जी ये गु नी . . स .
२ १ २*

तार		
मध्य	रि०५	स्रु रि गृ पृ रि गृ रि स्रु०५
मन्द्र	नि	

न अ प गु न न की . जी ये
३ ३

तार	सु सुसुसुसुसुसुसु
मध्य	गु गु प पु ध
मन्द्र	

व टी वे र स म क्षे न ही स म क्ष व
 १ २ ३ २

तार	सु सुसुसुसु	
मध्य	गु गु प पु ध	गु गु प
मन्द्र		

व टी वे र स म क्षे न ही व टी वे
 १ २ ३ २ १ २

तार	सु सुसुसु	सु सु
मध्य	पु ध	नि गु गु प पु ध
मन्द्र		

२ स म क्षे न ही व टी वे र स म क्षे



तार	सु सु	सु रि गु रि	सु ५
मध्य	धु नि	नि	सु
मन्द्र			नि

न ही अ व
२

तार	-	
मध्य	रि ग् प रि ग् रि सु . ५	रि
मन्द्र	-	धु नि नि

गु न न की . जि दे
३ २ १

तार	
मध्य	सु . ५ सु रि ग् प रि ग् रि सु . ५
मन्द्र	नि

२ अ व गु न न कि . नि मे
२ २

तार	
मध्य	रिगुमुपुर्गिगुदि ०५ स्रिगुपु
मन्द्र	नि नि
	आ अ ष गु न न १ २ ३

तार		
मध्य	रिगु १ रिगुमु	धुनि ० धुमुपुर्गि ०५
मन्द्र	नि	
	की आ २ २ ३	

तार	
मध्य	स्रिगुपु १ रिगुमुधुनिनि
मन्द्र	नि नि
	अ ष गु न न ग ३ २

ता		सु
मध्य	धु नि	नि ध सु परि . ५ सु रि गु
मन्द्र		नि

अ व गु न
१ २ ३

तार		रि रि
मध्य	पु रि गु १	रि गु सु धु नि
मन्द्र	नि	

न की आ
२ १

तार		
मध्य	नि नि धु सु पु रि . ५ सु रि गु पु १	
मन्द्र		नि

अ व गु न न

तार	रि ग, ५ रि
मध्य	रि गु मु धु नि नि नि धु
मन्द्र	नि

आ १
२

तार	
मध्य	सु प . रि . ५ सु रि गु मु धु नि
मन्द्र	नि नि

.
२ अ ब आ ३

तार	सु रि गु मु प रि रि
मध्य	नि नि . धु मु प .
मन्द्र	

.
२ १

तार	सु०	स सु ५
मध्य	नि धु०	नि पु पु धु नि
मन्द्र		

. . . जी . ये गु नी .
१ २

तार	सु सु० ५ गु०	रि सु०
मध्य	नि धु नि	नि धु० ५
मन्द्र		

स न फा . . जा . ने . .
३ २

तार	रि गु रि सु १ सु० ५ रि सु
मध्य	नि नि नि नि
मन्द्र	

गु न की खा . . र श्री . . र
१ २

तार	
मध्य	नि धु पु पु रि म् . ५ रि ग् मु नि
मन्द्र	नि
	गु नी . गु नी जा ने गु न की ३ २ १

तार	सू रि गू रि सू
मध्य	नि धू पू धू नि नि धू पू
मन्द्र	
 सा ७

तार	
मध्य	सू गू रि सू ङ सू रि गू पू रि गू रि
मन्द्र	नि
	. र अब गु न न की जि ३

तार		
मध्य	सू०५	* रिगुसु५०मुगु१म्
मन्द्र		: नि
	ये	अ व गु नन . . . की
	१२ ३	२

तार		
मध्य	पु०मुगु१सुधुपु०मुगु१सुधुनि	
मन्द्र		
	. . . जी०ये . . . गुनी .	
	१	२ ३

तार		
मध्य	धुसुपु५सुगु१०५	सुधु निधु५
मन्द्र	-	
	स . . न . . . का . . .	
	२	१

तार	सु १ सु ४	सु रि
मध्य	पु धु नि	पु पु ध, नि
मन्द्र		
	जा . . .	ने गु . न . . .
	२	३

तार	सु गु रि सु	रि	
मध्य	धु नु नि,	नि ध, नि धु	
मन्द्र			
	की सा .	र और गु नी .	गु नी . जा
	२		१

तार	
मध्य	पु १ रु गु २ रि गु रि सु रि गु पु रि गु १
मन्द्र	नि

ने गु न की सा . र अब गु न न की .
 २ ३ २

तार	सु०	स सु ५
मध्य	नि धु०	नि० . पु पु धु नि
मन्द्र		

. . . जी . ये गु नी .
१ २

तार	सु० सु० . ५ सु०	रि० सु०
मध्य		नि धु नि० नि धु० . ५
मन्द्र		

स न का . . जा . ने . . .
३ २

तार	रि० गु० रि० सु० सु० . ५ रि० सु०
मध्य	नि० नि० नि० नि०
मन्द्र	

गु न कौ सा . . र औ . . र
१ २

तार	
मध्य	नि धु मु पु रि मू . ५ रि गु मु नि
मन्द्र	नि
	गु नी . . गु नी जा ने गु न की ३ २ १

तार	सु रि गु रि सु
मध्य	नि ध प ध नि नि ध प
मन्द्र	
 सा . . . ७

तार	
मध्य	मू गु रि सु ङ सु रि गु प रि गु रि
मन्द्र	नि
	. . . र ञ व गु न न की . जि ३

तार	सु १ सु ५	सु रि
-----	-----------	-------

मध्य	पु धु नि	पु पु धु नि
------	----------	-------------

मन्द्र		
--------	--	--

जा ने गु . न
२ ३

तार	सु गु रि सु	रि
-----	-------------	----

मध्य	धु . नु नि,	नि, ध, ति धु
------	-------------	--------------

मन्द्र		
--------	--	--

की सा . र और गु नी . गु नी . जा
२ १

तार		
-----	--	--

मध्य	पु १ गु ८ रि गु रि	सु रि गु पु रि गु ९
------	--------------------	---------------------

मन्द्र	नि	
--------	----	--

ने गु न की सा . र ख व गु न न की .
२ ३ २

तार		
मध्य	रि गु रि	गु मु गु मु पु मु पु धु पु धु
मन्द्र	नि	

आ १ २

तार		सु सु रि सु रि गु गु
मध्य	नि धु नि	नि
मन्द्र		

. ३

तार	रिसु रि मु सु	
मध्य	नि नि धु नि धु पु	धु गु
मन्द्र		

तार

मध्य शु म धु मु प सु गु सु गु रि ग रि सु रि

मन्द्र

गु न की सा . र औ . र गु नी गु नी .
२

तार

सु रि ग रि सु

मध्य

मु ङ रि ग सु धु नि

मन्द्र

नि नि

जा ने गु न की सा
१ २

तार

मध्य नि धु प रु ग रि सु सु रि ग प रि ग रि

न्द्र

नि

. र ज व गु न न की . जी
३ २

तार		सु सु सु सु
मध्य	सु०५	गु गु पु पु धु धु नि
मन्द्र		
	ये	व डी बे र स म शे न ही . .
		१ २ ३ २

तार	सु रि गु रि गु रि	सु रि सु
मध्य		नि धु पु सु
मन्द्र		

.

१

तार	
मध्य	पु धु सु पु सु गु सु पु धु नि०५ नि०५
मन्द्र	

.

२

३

तार	सु०५	सु सु सु
मध्य	नि०५	गु गु प पु ध
मन्द्र		

व डी वे र स म झे न
 १ २ ३

तार	सु सु रि सु सु	स रि गु रि सु रि
मध्य		धु नि
मन्द्र		

ही स म झ त
 २ १ २

तार	सु	
मध्य	नि धु पु सु प धु सु ५	पु०५ धु०५
मन्द्र		

तार		
मध्य	धु नि धु पु पु . सु गु रि गु	५ रि सु
मन्द्र		नि

को . न क हे . ए क वे र क हे
२ १

तार		
मध्य	रि सु . ५	स, सु रि गु रि गु
मन्द्र	धु नि धु	नि

दी नी को . न क हे यह वा र वा
२ ३

तार		
मध्य	रि सु रि गु पु रि गु रि सु . ५	रि
मन्द्र	रि	नि

र अ न गु न न की जि ये वा .
२ १

तार	सु रि गु सु गु रि स	
मध्य	गु सु धु नि	नि, धु
मन्द्र		

.....
२

तार		
मध्य	पु सु गु रि सु ङ	सु रि गु पु रि ग रि
मन्द्र	नि	

..... अ ष गु न न की . जी
३ २

तार		सु रि गु पु
मध्य	सु . ङ	रि गु सु धु नि
मन्द्र		नि

ये जा
१ २

ता०	सु०	सु	सुसु
मध्य	नि०	गु०	धु
मन्द्र			

२ ही वे र स म क्षे न
१ २ ३

तार	सु०	गु०	रि०	सु०	रु०	म०	य०
मध्य			नि		धु	नि	पु
मन्द्र							

ही

२

१

तार	गु०	रि०	सु०	रि०	सु०
मध्य	सु०		नि	धु	नि
मन्द्र					

तार	सु रिं . ५	सु
नय	गु मु पु धु नि	गु गु प पु
मद्र		

व डी बे र स
१ २
२

तार	सु सु सु सु रि सु सु	सु
नय	धु	गु ं . प
मद्र		

म डे न ही स म श त व डी बे र स
३ ० १

तार	सु रु सु रु रि सु सु	सु सु
नय	धु	हु नि धु
मद्र		

म डे न ही स म श त वा . ६ बे र
२ ३

१२ सु गु रि सु

मध्य नि धु प सु गु सु पु ध नि

मन्द्र

.....
३

तार सु रि गु रि सु

मध्य नि धु पु सु गु सु पु धु नि

मन्द्र

.....
२ १

तार सु

मध्य नि धु पु सु गु रि सु ५ सु रि गु

मन्द्र नि

.....
२ ख व गु न
३

तार	
मध्य	पु रि ग् रि सु . ५
मन्द्र	

न की . जी ये
२





Single Hand Harmonium from	Rs.	30 to 75
Double-reed Hand Harmonium	...	60 to 250
Folding Harmonium	100 to 500
Satar	15 to 75
Tambura	25 to 150
Tambura box	12 to 35
Dilruba	20 to 75
Tabla pair	12 to 50
Mridang	15 to 40
Flute	1-4 to 15
Jal-tarang	8 to 12

Manager.

G.M. Vidyalaya. Workshop.

